

‘दयालु’ योजना के तहत 6,224 परिवारों को सहायता

मुख्यमंत्री ने ‘दयालु’ योजना के तहत 6,224 परिवारों को 234 करोड़ 77 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। अब तक 85,536 परिवारों को 3,152 करोड़ 48 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 11 प्रतिशत से बढ़ाया योजना-2 लागू की गई है। इसका उद्देश्य कृषे के कारोने तथा गाय, सांड, बैल, गधे, कुत्ते, नलागाय, मैस आदि पशुओं के हल्ला से होने वाली आकस्मिक मृत्यु, दिवंगाना अथवा घात लगने की स्थिति में प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाना है।

खबर संक्षेप

हर घर तिरंगा अभियान
राष्ट्रीय एकता का प्रतीक
चंडीगढ़। कृषि एवं किसान
कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने
बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र
मोदी के आह्वान पर हर नागरिक के
अन्दर देश व प्रवेश के कोने-कोने
में चल रहा हर घर तिरंगा अभियान
का लक्ष्य हर व्यक्ति तक देश के
प्रति भावना को प्रबल करना है। हर
घर तिरंगा अभियान से प्रत्येक
नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम, देश
भक्ति व राष्ट्रीय ध्वज के प्रति
सम्मान की भावना को और अधिक
मजबूत करना है। कृषि मंत्री ने
बताया कि हर घर तिरंगा अभियान
को पहले से अधिक व्यापक,
प्रभावी एवं जनभागीदारी आधारित
स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

पंजाब के निलंबित
डीआइजी मुल्लर की
जमानत याचिका खरिज

चंडीगढ़। भ्रष्टाचार के मामले में
गिरफ्तार पंजाब पुलिस के निलंबित
डीआइजी हरचरण सिंह भुल्लर
उर्फ एचएस भुल्लर को पंजाब एवं
हरियाणा हाई कोर्ट से दूसरी बार भी
राहत नहीं मिली। जस्टिस मनीषा
बत्रा ने उनकी नियमित जमानत
याचिका खारिज करते हुए कहा कि
जांच के दौरान सामने आई
रिपोर्टें डाटा बचती, सत्यपन रिपोर्ट
और ट्रेड कार्रवाई प्रथमदृष्टया रिश्त
मांगने और सह-आरोपित के
माध्यम से रकम लेने का मामला
बनाती है। अदालत ने विशेष रूप
से कहा कि महत्वपूर्ण गवाहों की
गवाही अभी होनी बाकी है और
पुलिस विभाग में भुल्लर के पद को
देखते हुए गवाहों को प्रभावित या
धमकाने की आशंका को
नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

खाद्य सुरक्षा पर सरकार
अलर्ट, मिलावटखोरों पर
और कसेगा शिकंजा

चंडीगढ़। सरकार प्रदेशवासियों को
सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य
पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए
खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और
मजबूत करने की तैयारी में है। दूध-
दही, दाल-तेल, मसाले, मिठाई
और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले
अन्य खाद्य पदार्थों की नियमित
सैंपलिंग और जांच की जा रही है।
केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा
में रखे गए आंकड़ों के अनुसार
प्रदेश में खाद्य सुरक्षा विभाग की
ओर से लगातार निगरानी और
कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2025-
26 में हरियाणा में 2,335 खाद्य
सैंपलों की जांच की गई। इनमें 723
सैंपल निषेधित मानकों के अनुरूप
नहीं पाए गए।

छुट्टी पर कार्डियक अरेस्ट से सैनिक
की मौत भी सैन्य सेवा से जुड़ी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई
कोर्ट ने सैन्यकर्मियों और उनके
परिवारों के पेंशन अधिकारों को
लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है।
हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि
आकस्मिक छुट्टी के दौरान किसी
सैन्यकर्म की कार्डियक अरेस्ट से
मौत होने पर केवल इस आधार पर
उसकी मृत्यु को सैन्य सेवा
से अलग नहीं किया जा सकता कि
वह उस समय सक्रिय ड्यूटी पर नहीं
था। यह देखना महत्वपूर्ण है कि मृत्यु
के समय सैन्यकर्म की सेवा में था या
नहीं। इस आधार पर कोर्ट ने सैनिक
की विधवा को विशेष पारिवारिक
पेंशन देने के सख्त बल

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एमएसएमई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 का किया विमोचन
मेक इन हरियाणा को मिलेगी रफ्तार
हर जिले की बनेगी औद्योगिक पहचान

एमएसएमई पॉलिसी लाने
वाला हरियाणा देश का
पहला राज्य : नायब सैनी

हरिमूनि न्यूज ▶▶ करनाल

हरियाणा के विकास के 60 गौरवशाली वर्ष
पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रदेश सरकार की
ओर से आयोजित विशेष कार्यक्रम में
मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को
करनाल में हरियाणा प्रोसेसिव एमएसएमई
एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 का
विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री
ने प्रदेश के उद्यमियों को शुभकामनाएं दीं।
कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद
कल्याण, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव
नरबीर सिंह सहित जनप्रतिनिधि, उद्योग
जगत के प्रतिनिधि, एमएसएमई, निर्यातक,
वित्तीय संस्थानों और उद्योग संघों के
प्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह
बत्रा ने कहा कि हरियाणा विकास यात्रा के
सातवें दशक में प्रवेश कर रहा है। यह
अवसर प्रदेश की छह दशकों की विकास
यात्रा को याद करने के साथ भविष्य के लिए
नए संकेतपथ को का भी है। हरियाणा ने
उद्यमशीलता के बल पर देश की अग्रणी
विनिर्माण अर्थव्यवस्थाओं में अपनी
पहचान बनाई है। अब सरकार प्रदेश की
औद्योगिक विकास के अगले चरण की ओर
ले जाने के लिए लगातार काम कर रही है।
उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की
वास्तविक ताकत वहां के उद्यमियों से बनती
है। उद्यमी अपने सपनों को उद्योग, परिश्रम
को उत्पादन और साक्षर को रोजगार में
बदलते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा
प्रोसेसिव एमएसएमई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन



पंजाब संभल नहीं रहा, भगवंत मान को
सपने में भी दिखता है हरियाणा : सैनी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए
कहा कि पंजाब की जनता से किए वादे पूरे करने में नाकाम रहे मुख्यमंत्री अब हरियाणा की चिंता
कर रहे हैं। स्थिति यह है कि भगवंत मान की सपने में भी हरियाणा का मुख्यमंत्री दिखाई देता है।
उन्हें पहले पंजाब की जनता से किए वादों का हिसाब देना चाहिए और बताया चाहिए कि कितने
वादे पूरे किए गए हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता को
संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता में आने से पहले जनता
से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज पंजाब के लोग खुद को ठगना हुआ महसूस कर रहे हैं।
विधानसभा चुनाव नजदीक आने पर अब जनता को फिर से गुमराह करने के प्रयास किए जा रहे
हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में कुछ ही महीने शेष हैं और अब बड़े मंवां से पेनाल के एक-दो महीने
के ऐसे डालने की बातें की जा रही हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री की ओर से हरियाणा में कथित पेपर
लीक गैंग को लेकर दिए गए बयान पर नायब सैनी ने कहा कि यदि उन्हें लगता है कि मित्रांनी में
कोई पेपर लीक गैंग चल रहा है तो पंजाब सरकार अपनी पुलिस से कार्रवाई क्यों नहीं करवाती।
बिना तथ्यों के आरोप लगाना और राजनीतिक बयानबाजी करना उचित नहीं है।

पॉलिसी-2026 प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र
को नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण
कदम है। नीति में उद्यमियों के लिए वित्त,
औद्योगिक अवसरंचना, तकनीक, निर्यात,
कौशल और बाजार तक पहुंच को मजबूत

करने पर जोर दिया गया है। सरकार ऐसा
औद्योगिक एवं कारोबारी वातावरण तैयार
करना चाहती है, जिसमें नवाचार,
को बढ़ावा मिले, नए उद्यम स्थापित हों और
रोजगार के अवसर बढ़ें।

हरियाणा व मलेशिया व्यापार
सहयोग बढ़ाने पर सहमत



चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को
हरियाणा निवास में मलेशिया के पेनांग के
उपमुख्यमंत्री जगदीप सिंह देव ने मुलाकात की। इस
दौरान हरियाणा और पेनांग के बीच निवेश,
■ मुख्यमंत्री से
पेनांग के
उपमुख्यमंत्री
जगदीप सिंह
देव ने बैठक की
प्रौद्योगिकी, कौशल विकास,
रोजगार तथा सांस्कृतिक
आदान-प्रदान के क्षेत्र में सहयोग
को और मजबूत करने की
समावनाओं पर विस्तार से चर्चा
हुई। बैठक के दौरान पेनांग के
उपमुख्यमंत्री जगदीप सिंह देव

ने अपनी सिख और पंजाबी विरासत का उल्लेख
करते हुए इस क्षेत्र के साथ अपने विशेष जुड़ाव को
साझा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को
सितंबर में पेनांग में एक प्रमुख ऐतिहासिक गुरुद्वारे
के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए
औपचारिक निमंत्रण भी दिया। पेनांग के उपमुख्यमंत्री
का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा
प्रौद्योगिकी आधारित निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य
के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य नवाचार,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई पौढ़ों के उद्योगों
के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करने के लिए
प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि
भारत और मलेशिया के संबंध ऐतिहासिक रहे हैं।

अब डिजिटल होगी खाद की बिक्री
महेंद्रगढ़-कैथल में पायलट प्रोजेक्ट

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य
में सब्सिडी वाले उर्वरकों की
डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी
वितरण व्यवस्था को बढ़ावा देने के
लिए महेंद्रगढ़ और कैथल जिलों का
पायलट प्रोजेक्ट के लिए चयन
किया है। इस व्यवस्था के तहत
किसान डिजिटल माध्यम से
उर्वरकों की अग्रिम बुकिंग कर
सकेंगे और निर्धारित प्रक्रिया के
तहत अधिकृत बिक्री केंद्र से उर्वरक
प्राप्त कर सकेंगे। इन दो जिलों में
पायलट के सफल परीक्षण के बाद
इसे राज्य के अन्य जिलों में लागू
करने पर विचार किया जाएगा।



यह निर्णय सोमवार यहां मुख्य
सचिव अनुराग रस्तोगी की
अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया
गया। बैठक में 'मेरी फसल
मेरा ब्योरा' पोर्टल पर उपलब्ध
किसानों की खेती संबंधी
जानकारी को किसान रजिस्ट्री से
जोड़ने की प्रस्तावित व्यवस्था पर
भी चर्चा की गई।

अब रूफटॉप सोलर
अंडरटेकिंग फॉर्म देने
की समय सीमा बढ़ी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन ने
सरकारी मकानों में रहने वाले
कर्मचारियों के लिए रूफटॉप सोलर
ऊर्जा प्रणाली के उपयोग से संबंधित
विकल्प/अंडरटेकिंग फॉर्म देने की
समय-सीमा बढ़ा दी है। प्रशासन द्वारा
आवृत्ति सरकारी मकानों में रहने
वाले हरियाणा सरकार के कर्मचारी
अब अपना विकल्प/अंडरटेकिंग
फॉर्म 31 अगस्त, 2026 तक जमा
करा सकेंगे।हाउस अलॉटमेंट
कमेटी ने स्पष्ट किया है कि यदि 31
अगस्त तक किसी कर्मचारी का
अंडरटेकिंग फॉर्म प्राप्त नहीं होता
है, तो यह मान लिया जाएगा कि
संबंधित कर्मचारी ने रूफटॉप सोलर
ऊर्जा सुविधा के उपयोग के लिए
अपनी सहमति प्रदान नहीं की है।

गुप-डी कर्मचारियों की प्रमोशन का
रास्ता साफ, सीएम ने दी मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा में चतुर्थ श्रेणी
कर्मचारियों की लिपिक पद पर
पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है।
प्रदेश सरकार ने सभी पात्र कामन
काउंड गुप-डी कर्मचारियों को
'कंप्यूटर की समझ और अनुप्रयोग'
में राज्य पात्रता परीक्षा (एसईटीसी)
पार्ट-1' में शामिल होने की अनुमति
दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी
द्वारा जारी निर्देश के अनुसार
हरियाणा लिपिकीय (भर्ती एवं सेवा
शर्तों) अधिनियम-2026 के तहत
क्लर्क पद पर पदोन्नति के लिए
एसईटीसी पार्ट-1 परीक्षा उत्तीर्ण
करने को आवश्यक किया गया है।

एसईटीसी पार्ट-1 परीक्षा में
शामिल होने की अनुमति दी

सभी प्रशासनिक सचिवों,
विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों और
उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि
एसईटीसी पार्ट-1 परीक्षा में शामिल
होने वाले पात्र कामन काउंड गुप-
डी कर्मचारियों के आवेदन पत्रों
और ई-प्रवेश पत्रों का सत्यापन एवं
प्रमाणीकरण सुनिश्चित किया जाए।
पात्र कर्मचारियों को परीक्षा में
शामिल होने में किसी प्रकार की
असुविधा न हो और उन्हें परीक्षा में
बैठने की अनुमति दी जाए।

एसआईआर कार्यों की प्रगति की समीक्षा

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की बैठक

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन
अधिकारी ए. श्रीनिवास ने प्रदेश के सभी
उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन अधिकारियों के
साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर
विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत चल रहे
मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की
समीक्षा की।
बैठक में एसआईआर प्रक्रिया को समयबद्ध,
पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने को लेकर
विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा
हुई। बैठक में नोटिस तैयार करने, उनकी प्रिंटिंग

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की बैठक

एवं वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई।
इसके अलावा फॉर्म 9, 10, 11, 11ए एवं 11बी
में प्राप्त दावों एवं आपत्तियों की सुविधा तैयार
करने तथा इन्हें राजनीतिक दलों के साथ
सप्ताहिक आधार पर साझा करने के संबंध में
आवश्यक दिशा-निर्देशों पर चर्चा हुई।
बैठक में फॉर्म 6, 7 एवं 8 के निस्तरण की
प्रगति की भी समीक्षा की गई।

अंबाला छावनी की फ्री होल्ड नीति में बदलाव की
तैयारी, विज की निकाय मंत्री के साथ आज बैठक

■ कलेक्टर रेट, 25 फीसदी अग्रिम
भुगतान और 150 साल पुराने दस्तावेज
की शर्तों पर उठ रहे सवाल

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

अंबाला छावनीवासियों को फ्री होल्ड
जमीन के मामले में जल्द राहत मिलने की
उम्मीद है। 13 अगस्त की प्रस्तावित
कैबिनेट बैठक से पहले वित्त्र मंत्री अनिल
विज ने नीति की शर्तों में बदलाव को
लेकर मंगलवार को अहम बैठक बुलाई है।
बैठक में मुख्य सचिव और शहरी निकाय
मंत्री विपुल गोयल सहित संबंधित विभागों
के अधिकारी शामिल होंगे। इसमें
प्रस्तावित फ्री होल्ड नीति पर विस्तार से
मंथन किया जाएगा। विज चाहते हैं कि
कैबिनेट में नीति दोबारा आने से पहले
छावनीवासियों की मांगों और आपत्तियों के
अनुसूप आवश्यक बदलाव किए जाएं।
पिछली कैबिनेट बैठक में भी उन्होंने

1977 का समझौता बना विवाद का कारण

विज के अनुसार 5 फरवरी 1977 तक अंबाला छावनी का पूरा क्षेत्र कैंटोनमेंट बोर्ड के अधीन था। तत्कालीन रक्षा मंत्री बंसीलाल के समय 1063 एकड़ जमीन को कैंटोनमेंट से अलग कर
नगर पालिका को दिया गया था। व्यवस्था के तहत हरियाणा सरकार को भारत सरकार की
जमीन का मालिकाना जितना था और इसके बदले सेना को 150 एकड़ जमीन मुफ्त उपलब्ध
कराई जानी थी। विज के अनुसार लंबे समय तक इस समझौते पर प्रभावी कार्रवाई नहीं
हुई। वर्ष 2000 तक किसी सरकार ने इस दिशा में काम नहीं किया, लेकिन उनके प्रयासों से
सेना को 150 एकड़ जमीन उपलब्ध कराकर समझौता पूरा कराया गया। इसके बाद अंबाला
की संपत्तियों की रजिस्ट्री व्यवस्था में बदलाव आया। कई मामलों में भवन की रजिस्ट्री हुई,
जबकि जमीन का स्वामित्व सरकार के नाम दर्ज रहा। आगे चलकर यही व्यवस्था लोगों के
लिए परेशानी का कारण बनी।विज का कहना है कि जमीन का मालिकाना स्पष्ट नहीं होने
से छावनी के हजारों संपत्ति मालिकों को बैक से ऋण लेने, भवनों के नक्शे पास कराने,
संपत्ति के उत्तराधिकार, खरीद-विक्री और हस्तान्तरण जैसी प्रक्रियाओं में परेशानी होती है।
ऐसे में फ्री होल्ड नीति से लोगों को संपत्ति अधिकार की समस्या के स्थायी समाधान की
उम्मीद थी। हालांकि प्रस्तावित नीति की शर्तों ने नई चिंता पैदा कर दी।

प्रस्तावित शर्तों पर आपत्ति जताते हुए
मामले को अमली बैठक के लिए स्थगित
करवा दिया था। इसके बाद छावनीवासियों
में नीति में राहत मिलने की उम्मीद जगी है।
जनहित के अनुरूप हो फ्री होल्ड नीति
विज ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि फ्री
होल्ड नीति ऐसी होनी चाहिए, जिससे

दशकों से अपनी संपत्तियों पर पूर्ण
अधिकार की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को
वास्तविक राहत मिले। उनका कहना है
कि यदि शर्तें इतनी कठिन और आर्थिक
रूप से बोझिल होंगी कि आम आदमी उन्हें
पूरा ही नहीं कर सके तो फ्री होल्ड का मूल
उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा हेतु केन्द्र	
(हरियाणा अधिनियम सं. XXV ऑफ 1975 के तहत स्थापित एक राज्य विश्वविद्यालय) एनएएससी 'ए+' ग्रेड प्रमाणित विश्वविद्यालय	
प्रवेश सूचना (विज्ञा. सं. पीआर-08 ऑफ 2026) डीईबी-यूजीसी अनुमोदित/अधिकृत प्रोग्राम्स	
शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा हेतु केन्द्र द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे निम्नालिखित सर्टिफिकेट कोर्स (एस), अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स (फ्री अंड इंटरमीडिएट) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं :	
क्र.सं. सर्टिफिकेट कोर्स / यूजी एवं पीजी प्रोग्राम्स का नाम	
1. बैचलर ऑफ आर्ट्स i) प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) ii) द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर) ii) तृतीय वर्ष (पांचवां एवं छठा सैमेस्टर)	
2. बैचलर ऑफ कॉमर्स i) प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) iv) द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर) ii) तृतीय वर्ष (पांचवां एवं छठा सैमेस्टर)	
3. मास्टर ऑफ आर्ट्स (प्रथम वर्ष-प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) और (द्वितीय वर्ष- तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर) : (i) हिन्दी (ii) अंग्रेजी (iii) संस्कृत (iv) राजनीति शास्त्र (v) लोक प्रशासन (vi) अर्थशास्त्र (vii) इतिहास (viii) जननियम एवं मास कम्युनिकेशन	
4. मास्टर ऑफ लाइब्रेरी ऐंड इन्फॉर्मेशन साइंस (द्वितीय वर्ष- तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर)	
5. मास्टर ऑफ कॉमर्स (प्रथम वर्ष-प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) , (द्वितीय वर्ष- तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर)	
6. मास्टर ऑफ साइंस (मैथेमेटिक्स (प्रथम वर्ष-प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) , (द्वितीय वर्ष- तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर)	
7. निम्नालिखित में सर्टिफिकेट कोर्स (i) फूड ट्रक ऑपरेशन (ii) जनन भाषा (iii) फ्रेंच भाषा (iv) स्पेनिश भाषा (v) अंग्रेजी में कम्युनिकेशन स्किल्स	
क्र.सं. सर्टिफिकेट कोर्स / यूजी एवं पीजी प्रोग्राम्स का नाम	
1. बैचलर ऑफ आर्ट्स (प्रथम वर्ष-प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) (द्वितीय वर्ष-तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर) और अनिश्चित वर्ष (पांचवां एवं छठा सैमेस्टर)	
2. मास्टर ऑफ आर्ट्स (प्रथम वर्ष- प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) और (द्वितीय वर्ष-तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर) (i) हिन्दी (ii) राजनीति शास्त्र (iii) लोक प्रशासन (iv) अर्थशास्त्र (v) इतिहास	
3. मास्टर ऑफ साइंस इन मैथेमेटिक्स (प्रथम वर्ष-प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) और (द्वितीय वर्ष- तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर)	
4. मास्टर ऑफ कॉमर्स (प्रथम वर्ष-प्रथम एवं द्वितीय सैमेस्टर) और (द्वितीय वर्ष- तृतीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर)	
5. निम्नालिखित में सर्टिफिकेट कोर्स (i) फूड ट्रक ऑपरेशन (ii) जनन भाषा (iii) फ्रेंच भाषा (iv) स्पेनिश भाषा (v) अंग्रेजी में कम्युनिकेशन स्किल्स (vi) प्रोफेशनल स्किल्स	
प्रवेश कार्यक्रम	
प्रवेश पोर्टल का खुलना	तिथि
ऑनलाइन आवेदन का खुलना	07.08.2026
ऑनलाइन आवेदन का समाप्त होना	15.09.2026
उम्मीदवारों को विवरणिका 2026-27 हेतु विश्वविद्यालय वेबसाइट www.mdu.ac.in और उपरोक्त प्रोग्राम्स में प्रवेश के लिए आवेदन भरने के लिए https://ddemduadm.samarth.edu.in/ पर धारणा आवश्यक है। संवाद-1235/11/180/2027/48033/सी/88/6 दि. 10.08.26	
रजिस्ट्रार	

सेना प्रमुख धीरज सेठ ने राज्यपाल
प्रो. असीम घोष से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़। चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को
हरियाणा लोक भवन में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से मुलाकात की।
भारतीय सेना की कमान संभालने के बाद सेना प्रमुख की राज्यपाल के साथ
यह पहली मुलाकात थी। बैठक में नागरिक-सैन्य सम्बन्ध और क्षेत्रीय सुरक्षा
से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक के
दौरान आंतरिक सुरक्षा, युवाओं के सशस्तीकरण, अभिनवीरों के लिए रोजगार
के अवसर बढ़ाने, पूर्व सैनिकों के कल्याण और आवासीय परियोजनाओं
सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सेना की आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे
प्रयासों और ऑपरेशनल तैयारी पर भी विचार साझा किए गए।

उत्तर रेलवे	
प्रिविदा सूचना	
मुख्य चिकित्सा अधिकार, उत्तर रेलवे अंबाला छावनी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नालिखित कार्य हेतु निर्धारित प्रयत्र पर खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं।	
1 टेंडर नं० एलपी-मेड-02-एसडीएच-एसआरई, एलपी-मेड-02-एसयू-बीटीआई	
2 कार्य का नाम	उत्तर रेलवे एसडीएच सहारनपुर और स्वास्थ इकाई बर्हिडा, दो साल के लिए समय-समय पर जारी क्या खरीद नीति और आईआरपीएस दवा, सर्जिकल आइटम और उपभोग्य सामग्रियों आदि की दिन-प्रतिदिन की खुदरा स्थानीय खरीद के लिए खुदरा आपूर्तिकर्ता का पैनल।
3 घरोहर राशि /सहारनपुर	निविदा संख्या- एलपी-मेड-02-एसडीएच-एसआरई के लिए आईआरपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन मुद्रागत मोड के माध्यम से 38,000/- रुपये
4 घरोहर राशि /बर्हिडा	निविदा संख्या- एलपी-मेड-02-एसयू-बीटीआई के लिए आईआरपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन मुद्रागत मोड के माध्यम से 38,000/- रुपये
5 पूर्णता अवधि	2 साल
6 टेंडर जमा करने और खोलने की अंतिम तिथि और समय	02.09.2026 को 15:00 बजे तक और 02.09.2026 को 15:10 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकार, उत्तर रेलवे अंबाला कैंट के कार्यालय में खुलेगा।
7 उत्तर रेलवे वेबसाइट	https://ireps.gov.in निविदाकर्ता अपने जेबिचि पर बोली लगाना शुरू कर सकते हैं।
संख्या : एलपी-मेड-02-एसडीएच-एसआरई, एलपी-मेड-02-एसयू-बीटीआई, दिनांक 06.08.2026	
याहूक की सेवा में मुस्कान के साथ 2743/26	

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा अधिनियम सं. XXV ऑफ 1975 के तहत स्थापित एक राज्य विश्वविद्यालय) एनएएससी द्वारा प्रमाणित 'ए+' ग्रेड विश्वविद्यालय	
प्रवेश अधिसूचना (विज्ञा. सं. पीआर-09 ऑफ 2026)	
अक्षमता अध्ययन केन्द्र, म.द. विश्वविद्यालय, रोहतक शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निम्नालिखित आरसीआई अनुमोदित प्रोग्राम्स में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है : 1. डिप्लोमा इन टीचींग इंडियन साइन्स लैब्वेज (डीटीआईएसएलएल) सीटी की संख्या = 20 योग्यता: 45% अंकों सहित 10+2, केवल बधिर उम्मीदवारों के लिए * 2. डिप्लोमा इन इंडियन साइन्स लैब्वेज एंटरटेनमेन्ट (डीआईएसएलआई) सीटी की संख्या = 30 योग्यता: 50% अंकों सहित 10+2, सुनने की सामान्य रेंज और कार्य करने योग्य हाथ * 3. उम्मीदवार जो अक्षमता अध्ययन केन्द्र, म.द. विश्वविद्यालय, रोहतक में उपरोक्त प्रोग्राम्स में प्रवेश लेने के इच्छुक हैं, आरसीआई/एलसीआई पोर्टल https://nber-rehabcouncil.gov.in अथवा https://rehabcouncil.in/ पर प्राथमिकता प्राप्त करके अक्षमता अध्ययन केन्द्र, म.द. विश्वविद्यालय, रोहतक को आवेदन कर सकते हैं। संस्थात्मक कोड : HR057, 4. डीटीआईएसएलएल/डीआईएसएलआई प्रोग्राम के लिए आरसीआई द्वारा म.द. विश्वविद्यालय, रोहतक को आवेदित उम्मीदवारों की कौशलसिंघ अक्षमता अध्ययन केन्द्र, म.द. विश्वविद्यालय में आरसीआई द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुरूप आयोजित की जाएगी। पंजीकरण शुल्क : सामान्य/युवा के लिए रु. 500/- और ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी और पोस्टयूडी उम्मीदवारों के लिए रु. 350/- पंजीकरण (चिकित्सा भरने सहित) प्राथम्य की तिथि : 05 अगस्त, 2026 पंजीकरण (चिकित्सा भरने सहित) अंतिम तिथि : 24 अगस्त, 2026 *योग्यता शर्तों और आरक्षण/ट्रेड के सम्बन्ध में अधिक विवरण के लिए, कृपया आरसीआई/एमडीयू वेबसाइट पर पधारें। टिप्पणी : पीडब्ल्यूडीए के माता-पिता और भाई-बहनों को अक्षमता के प्रतिशत के आधार पर न्यूनतम 50% अक्षमता सहित 05 अंक और 100% अक्षमता हेतु अधिकतम 10 अंक प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी (केवल निकटतम रक संबंधियों पर लागू)। संवाद-1235/11/181/2027/48036/सी/88/6 दि. 10.08.26 रजिस्ट्रार	

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, फतेहाबाद
गुमशुदा की तलाश



सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अंजलि पुत्री बबिता पत्नी सतीश कुमार, निवासी
वाई नंबर 18, रविदास मोहल्ला, टोहाना, थाना शहर टोहाना, जिला फतेहाबाद, दिनांक 12.07.2026
को अपने घर से बिना बगए कहीं चली गईं। परिजनों व पुलिस द्वारा अब तक कोई गैर तलाश के
बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।
गुमशुदा लड़की का हुलिया निम्नालिखित है :
● उम्र : अंजलि
● उम्र : 20 वर्ष
● कद : लगभग 4 फीट, 11 इंच
● रंग : सांवला
● चेहरा : लम्बा चेहरा
● पहनावा : हरे रंग की कुर्ती, काले रंग की पेंट व काले रंग के जुते पहने हुए थी।
जिस किसी सज्जन को उपरोक्त लड़की के संबंध में कोई सूचना प्राप्त हो, वह कृपया तुरंत नीचे दिए
गए संपर्क सूत्रों पर सूचित करें :
संपर्क करें:
थाना सदर टोहाना
मोबाइल नं० : 88140-11712,
प्रबन्धक अफसर थाना शहर टोहाना
या नजदीकी पुलिस स्टेशन में जानकारी दें।
आपकी ही गई सूचना गुप्त रखी जाएगी।
पीआरडीएच-1084/11/5166/2027/48055/88/6 दि. 10.08.26

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुक्किल के द्वारा निम्न
कृषि भूमि का तबदलानामा प्रस्तावित है :-
SW/ISO/1470
हमकी पत्न्य - राजीव पुत्रान हुकम सिंह पुत्र हट्टाड़ी, निवासीगण गांव बिसेदाराण गांव पेलणा,
तहसील बादली, जिला झज्जर (हरियाणा) में अराजी बरुने जमानबी वर्ष 2020-21 व
इंतकाल नं० 4004 विरसात, के अनुसार खेचट नं० 241 मिन/193, खाता नं० 250 मिन, गु०
20, 27, किला नं० 20/2(0-4), किला 1, तादादी रकबा 0 कनाल 4 मरला का 115/576
भाग, बकदर 0 कनाल 0.79 मरला (0.0049375 एकड़) (जिम्मे पत्न्य - राजीव हर को
सम्भारण) वाका रकबा मीजा पेलणा, तहसील बादली, जिला झज्जर के मालिकान व काबिजान है
जिसका तबदला प्रथम पक्षगण द्वारा मेरे मुक्किल के साथ किया जा रहा है तथा प्रथम



कुरुक्षेत्र। राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा में विशाल तिरंगे के साथ मौजूद सीएम नायब सिंह सैनी व अन्य।

खबर संक्षेप

कांवड़ लेने गए युवक का शव शौचालय में मिला

पानीपत। पानीपत के गांव मांडी निवासी 33 वर्षीय सुरेंद्र का शव गांव के पास सड़क किनारे बाथरूम से बरामद हुआ। सुरेंद्र अपने घर से हरिद्वार जाकर भगवान शिव के लिए पवित्र गंगाजल कांवड़ लाने की बात कहकर निकला था। इधर, पुलिस ने जांच के बाद सुरेंद्र के शव का पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया। सुरेंद्र अविवाहिता था और उसकी मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। इधर, पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। वहीं, पुलिस सरेंद्र के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल् की भी जांच कर रही है ताकि सुरेंद्र की मौत के सही कारण पता चल सके।

25 हजार का इनामी बदमाश वसीम गिरफ्तार

नूंह। नूंह पुलिस टीम ने शनिवार को बिछोर गांव निवासी 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश वसीम पुत्र खुशींद उर्फ खुशी को अवैध देशों कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी वसीम थाना कोसीकलां, उत्तर प्रदेश में दूज मुकदमा में 25 हजार रुपये का इनामी है। नूंह पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ इस मुकदमे के अतिरिक्त पहले से 8 अन्य आपराधिक मामले विभिन्न स्थानों पर दर्ज हैं।

नौकरी के नाम पर दो लाख रुपये ठगे

नूंह। नौकरी के नाम पर विदेश भेजकर ठगी करने का मामला सामने आया है। गांव सबरस निवासी साहिल ने थाना मोहम्मदपुर अहीर में शिकायत देकर तीन लोगों पर आरोप लगाया है। साहिल ने बताया कि उसे गांव के ही मजीद और उसके बेटे वसीम ने उससे संपर्क किया और कहा कि उनका दूसरा बेटा मोहिन दुबई में रहता है और वह होटल मैनेजमेंट में 50 हजार रुपये महीने की नौकरी लगवा देगा। साहिल ने उन्हें 1 लाख 50 हजार रुपये नकद दे दिए। उसे 25 जुलाई को दुबई भेज दिया। दुबई पहुंचने पर मोहिन ने उससे 55200 रुपये भारतीय करेंसी के बदले मिले हिस्से ले लिए और पासपोर्ट-वीजा भी अपने पास रख लिया। वह 27 जुलाई को किसी तरह वापस भारत लौट आया और शिकायत दर्ज करवाई।

राजनीति

हिसार के शहरी जिलाध्यक्ष बजरंग गर्ग ने दिया इस्तीफा

■ इस्तीफे में सामाजिक कार्यों में अधिक व्यस्तता का हवाला दिया, कहा-वह पार्टी संगठन को अपेक्षित समय नहीं दे पा रहे हैं और आगे भी काम करना संभव नहीं होगा

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

हिसार कांग्रेस में एक बार फिर संगठन को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। शहरी कांग्रेस जिलाध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा हरियाणा

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त को भेजा है। गर्ग ने सोमवार को दिए इस्तीफे में निजी कारणों और सामाजिक कार्यों में अधिक व्यस्तता का हवाला देते हुए कहा है कि वह पार्टी संगठन को अपेक्षित समय नहीं दे पा रहे हैं और आगे भी सक्रिय रूप से पार्टी का काम करना संभव नहीं होगा।

हालांकि, गर्ग के इस्तीफे के बाद कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी से जुड़े सूत्र इस्तीफे के पीछे संगठन के लोहार नाराजगी को भी एक वजह बता रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, शहरी जिलाध्यक्ष की



अगस्त 2025 में ही हुई थी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

हरियाणा कांग्रेस में करीब 11 साल बाद जिला स्तर पर संगठन का गठन हुआ था। राहुल गांधी के हस्तक्षेप के बाद अगस्त 2025 में कांग्रेस ने प्रदेशभर के जिलाध्यक्षों की सूची जारी की थी। इसी संगठनात्मक प्रक्रिया के तहत बजरंग दास गर्ग को हिसार शहरी कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बनाया गया था। अब करीब एक साल बाद गर्ग के इस्तीफे ने हिसार कांग्रेस की अंदरूनी सियासत को फिर सुर्खियों में ला दिया है। वहीं, कई अन्य जिलों में भी संगठन को लेकर गतिरोध की सुगुणाहट चल रही है। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व के सामने सबको साथ लेकर संगठन को मजबूत करना बड़ी चुनौती है।

संगठन में फेरबदल होने की भी चर्चा : प्रधान के इस्तीफे को लेकर पार्टी हाईकमान द्वारा संगठन में फेरबदल की संभावनाओं के साथ भी जोड़ा जा रहा है। बताया जाता है कि हाईकमान ने प्रदेश में अलग-अलग जिलों के प्रधानों पर कार्रवाई

500 फीट तिरंगे के साथ यात्रा निकाल सीएम बोले गीता हमें कर्मयोग सिखाती है और तिरंगा राष्ट्रयोग

हरिभूमि न्यूज़ ►► कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग, वीर सैनिकों का शौर्य, माताओं की तपस्या, किसानों का परिश्रम और हमारे युवाओं के सपनों की चमक है। यहां कुरुक्षेत्र की हवाएं एक ही संदेश दे रही हैं कि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं, तिरंगे से बढ़कर कोई गौरव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा एक जन-अभियान व राष्ट्र उत्सव बन चुका है।

वर्ष 2022 में शुरू हुए इस अभियान ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ प्रत्येक नागरिक के संबंध को अधिक आत्मीय बनाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को लाडवा व थानेसर विधानसभा में आयोजित

तिरंगा हमारी पहचान, वंदे मातरम आवाज : जितेंद्र

लोकसभा कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जितेंद्र ने कहा कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में आज हर हाथ में जो तिरंगा देखा जा रहा है ये वो सपना है, जिसे 34 वर्ष पहले अमेरिका में देखा था। अमेरिका के नागरिक अपने देश के झंडे को अपने घरों पर फहराते थे। तब मन में सपना बना कि हम भी अपने देश में ऐसा कर सकते हैं। इसके लिए 10 वर्ष तक कानूनी लड़ाई लड़ी और इस संधियों के सहयोग से उसमें जीत भी दर्ज की। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी पहचान है और वंदे मातरम हमारी आवाज है। वंदे मातरम को 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा में बोल रहे थे। यात्रा में 500 फीट तिरंगा आकर्षण का केंद्र रहा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा का लाडवा विधानसभा के पिपली मंडल से शुभारंभ किया। इस तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ-साथ सांसद नवीन जितेंद्र, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी,

जिलाध्यक्ष रमेश सैनी सहित हजारों लोगों ने भाग लिया। यह यात्रा पुलिस लाइन, नए बस स्टैंड, द्रोणाचार्य स्टेडियम से होती हुई थानेसर मंडल के लघु सचिवालय में बने शहीदी स्मारक पर सम्पन्न हुई। मुख्यमंत्री ने शहीदी स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया और शहीदों के परिजनों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी, सांसद नवीन जितेंद्र, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने शहीदी स्मारक पर कदम का पौधा लगाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र कोई साधारण भूमि नहीं है। यह वह धर्मभूमि है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने मानव मात्र को श्रीमद्भागवद् गीता का अमर संदेश दिया था कि कर्तव्य से कभी पीछे मत हटो। इसी धरती से हम तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। यह अद्भुत संयोग हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करना ही आधुनिक युग का राष्ट्र धर्म है। गीता हमें कर्मयोग सिखाती है और तिरंगा हमें राष्ट्रयोग सिखाता है। तिरंगा हमारे घर की छत पर भी लहराए और हमारे चरित्र में भी दिखाई दे।

करंट लगने से अंग्रेजी लेक्चरर की मौत

तोशाम। तोशाम-हिसार मार्ग पर विद्या नगर कॉलोनी के पास रजबाहा के नजदीक गारणपुरा कलां निवासी करीबन 50 वर्षीय अंग्रेजी के लेक्चरर मनोज कुमार की मौत हो गई।

राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सोमवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि तोशाम से हिसार रोड से विद्या नगर कॉलोनी के पास रजबाहा के नजदीक एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। शव के शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं था। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को शव को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। मनोज नूंह में अंग्रेजी के लेक्चरर थे। मृतक के एक लड़का व एक लड़की हैं। इस बारे में थाना प्रभारी विशेष कुमार ने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार मनोज की करंट लगने से मौत हुई है, जिसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी।

सरियों से भरे ट्रक में घुसी कार, बची जान

हरिभूमि न्यूज़ ►► गुरुग्राम

गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर एक कार आगे चल रहे सरियों से लदे वाहन से टकरा गई। इस भीषण हादसे में गाड़ी में लदे कई सरिए कार में घुस गए। गनीमत यह रही कि सरिये चालक को बूते हुए निकल गए और उसकी जान बाल-बच गई। राहगीरों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। उसे हल्की चोट आई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्रेन की

मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाया। ड्राइवर दिल्ली का रहने वाला है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सरियों से भरे वाहन द्वारा सुरक्षा नियमों की अनदेखी की गई थी। जो तेज रफ्तार कार ड्राइवर को अंधेरे की वजह से दिखाई नहीं दिया। शुरुआती जांच में ओवरस्पीडिंग और सरियों से भरे वाहन द्वारा सुरक्षा नियमों की अनदेखी को हादसे की वजह माना जा रहा है। बता दें कि इससे पहले द्वारका एक्सप्रेसवे पर सरियों से भरी ई-रिक्शा में टक्कर होने से एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई थी।

नल्हड़ कॉलेज में बच्चे के टीक पैर का कर दिया ऑपरेशन

■ चार साल के बच्चे के बाएं पैर में थी दिक्कत, दाढ़ का कर दिया ऑपरेशन, अब चलने में परेशानी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नूंह

शहीद हसन खान मेडिकल कॉलेज नल्हड़ में एक 4 साल के बच्चे के गलत पैर का ऑपरेशन किए जाने का मामला सामने आया है। गांव मेवली निवासी मोहम्मद आरिफ ने आरोप लगाया है कि उनके बच्चे को स्वरस्थ दाएं पैर का ऑपरेशन कर दिया गया। पिता का कहना है कि ऑपरेशन के बाद बच्चा अब उसी दाएं पैर से लंगड़ाकर चल रहा है और उसे चलने में काफी परेशानी हो रही है। यह घटना 23 जुलाई को हुई थी। इसके बाद मोहम्मद आरिफ ने मेडिकल कॉलेज के निदेशक को शिकायत देकर पूरे मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत के बाद मेडिकल

कॉलेज प्रशासन ने एक जांच कमेटी का गठन किया। 28 जुलाई को पिता को कमेटी के सामने बुलाया गया। आरिफ का आरोप है कि कमेटी ने मामले को समझौते के जरिए खत्म करने की बात कही और उनसे पूछा गया कि क्या वे संबंधित डॉक्टर की माफी और समझौते के लिए तैयार हैं। पीड़ित पिता ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसी गंभीर लापरवाही को केवल चेतावनी देकर खत्म नहीं किया जा सकता। न्याय की मांग को लेकर आरिफ लगातार अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने मेडिकल कॉलेज निदेशक से कई बार मुलाकात की है और इसके बाद दीसी कार्यालय और सीएम विंडो पर भी शिकायत दर्ज कराई है। मेडिकल कॉलेज नल्हड़ के निदेशक डॉ. मुकेश ने बताया कि मामले की जांच के लिए गठित कमेटी की रिपोर्ट आ चुकी है और रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम के पॉश इलाके में नौकरानी को पीटने का वीडियो वायरल होने पर आरोपी महिला गिरफ्तार

गुरुग्राम। गोल्फ कोर्स रोड पर स्थित डीएलपी की अल्ट्रा-लवजरी रेजिडेंशियल सोसाइटी कैमेलियाज में एक बड़े कारोबारी की पत्नी ने अपने फ्लैट में नौकरानी से मारपीट की। इसका एक वीडियो किसी दूसरे फ्लैट से बना लिया गया। यह वायरल होने पर पुलिस ने स्वतः संहान लेते हुए सुशान्त लोक थाने में मामला दर्ज किया। सोमवार को पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया। बता दें कि वायरल वीडियो में कारोबारी की पत्नी किचन में नौकरानी से मारपीट करती हुई दिख रही है। उसने नौकरानी का मुंह दबा दिया और उसके बाल भी खींचे। मारपीट के मामले में सिपाही रोहित की शिकायत पर सुशान्त लोक थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 24 जुलाई की है। काम को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी महिला ने घरेलू सहायिका के साथ मारपीट की थी। मारपीट का करीब 90 सेकेंड का वीडियो एक पड़ोसी ने किचन की खिड़की से बनाया था। यह वीडियो बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर वायरल हुआ। सिपाही रोहित ने घराब पर वीडियो देखने के बाद पुलिस को शिकायत दी। इसके आधार पर पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ बीएसएफ की धारा 115 के तहत केस दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, घरेलू सहायिका नेपाल की रहने वाली है और करीब दो साल से आरोपी महिला के घर पर काम कर रही थी। घटना के बाद उसने 27 जुलाई को नौकरी छोड़ दी और नेपाल लौट गई। उसने सोशल मीडिया से यह वीडियो हटाने का अनुरोध किया था।

एक्सीडेंट करने वाले नाबालिग चालक को ट्रैफिक पुलिस के साथ देनी होगी इयूटी

हरिभूमि न्यूज़ ►► पानीपत

पानीपत के मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में 2024 में हुए एक सड़क दुर्घटना के केस में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड पानीपत ने नाबालिग द्वारा एक व्यक्ति को टक्कर मारकर उसे घायल करने को लेकर अपना फैसला सुनाया है। यह फैसला उसे स्वयं भी ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूक ही नहीं करेगा बल्कि यह दूसरों के लिए भी नजोरे पेश करेगा।

जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट पुनीत लिंबा ने बताया कि दत्ता कॉलोनी के एक व्यक्ति जितन को असंध रोड पर एक नाबालिग ने उस समय टक्कर मारकर घायल कर दिया जब वह व्यक्ति अपनी नौकरी से रात 8 बजे अपने घर की ओर लौट रहा था। इस दुर्घटना में उसे काफी चोट लगी थी। उसी को लेकर यह केस मॉडल टाउन थाना के माध्यम से जुवेनाइल जस्टिस

■ तीन माह तक आरोपी खुद भी सीखेगा यातायात नियम और दूसरों को भी करेगा जागरूक

बोर्ड के समक्ष गया था। उन्होंने बताया कि उस समय आरोपी की आयु 17 वर्ष थी और चूंकि वह नाबालिग था इसलिए उसे सजा के तौर पर तीन महीने का समय ट्रैफिक पुलिस के साथ बिताने के लिए कहा गया है। ताकि वह खुद ट्रैफिक नियमों को सीखे और दूसरों को भी सिखाए। लिंबा ने बताया कि इस तरह के मामलों में न्याय का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि नाबालिग को उसकी गलती का एहसास कराकर उसे जिम्मेदार नागरिक बनाना भी होता है। लिंबा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें और उसे सड़क सुरक्षा के नियमों की पूरी जानकारी दें। ये सभी नियम हमारी और दूसरों की जिंदगी की सुरक्षा से जुड़े हैं।

खबर संक्षेप

एयरटेल बिजनेस-आईटीआई ने किया समझौता



नई दिल्ली। भारती एयरटेल की कारोबार-से-कारोबार (बी2बी) इकाई एयरटेल बिजनेस और सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने उद्यमों को डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने के लिए समझौता किया है। आईटीआई लिमिटेड के कोटे का लाभ उठाकर सार्वजनिक क्षेत्र, एयरटेल बिजनेस की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत फोर्ज को 89.89 करोड़ का घाटा



नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 89.89 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसकी जर्मनी स्थित अनुषंगी इकाई के पुनर्गठन के लिए किए गए प्रावधान के कारण वह घाटे में रही।

‘आश्रयम’ टाउनशिप’ के दूसरे चरण की शुरुआत



नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी अप्रशील इन्फ्राटेक प्राइवेट लि. ने लखनऊ में अपनी टाउनशिप परियोजना ‘आश्रयम’ के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। कंपनी इस चरण में करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। ‘आश्रयम’ एकीकृत भूखंड आधारित टाउनशिप परियोजना का दूसरा चरण लगभग 11.25 एकड़ में फैला है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेघ

वृष

मिश्रुन

कर्क

सिंह

कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आएगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कारोबार में सफलता मिलेगी।

बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुम्भ

मीन

नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुखादुःख खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

वर्ष के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल भारत आईपीओ बाजार में भारत की धूम, 360 से ज्यादा इश्यू से जुटे 1.9 लाख करोड़

एजेसी ►► नई दिल्ली

घरेलू कंपनियों ने बीते वित्त वर्ष 2025-26 में 360 से अधिक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए जुटाए। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल रहा। हालांकि, सूचीबद्ध होने के बाद मिलने वाले लाभ और शेयरों की संख्या के मुकाबले अधिकतम बोलियों में कमी से संकेत मिलता है कि निवेशक अब कंपनियों का चयन अधिक सावधानी से कर रहे हैं। ग्रांट थॉन्टन, भारत की सोमवार को जारी देश के आईपीओ बाजार पर रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव तथा बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनियों की पूंजी जुटाने की गतिविधियां मजबूत बनी रहीं।

कंपनियों में बड़ी निवेशकों की रुचि

रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब उन कंपनियों की ओर अधिक बढ़ी है, जिनकी बुनियाद मजबूत है, कंपनी संचालन व्यवस्था बेहतर है, आय में वृद्धि की स्पष्ट संभावना है और मूल्यंकन अधिक संतुलित है। मुख्य शेयर बाजारों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान रिकॉर्ड 109 आईपीओ आए, जिनके माध्यम से करीब 1.77 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में 80 आईपीओ के जरिये 1.63 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर हुए कुल आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही और इस मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 %

निवेशक ले रहे अधिक सौच-समझकर निर्णय : वित्त वर्ष 2025-26 में आईपीओ के लिए अधिक अभिधान का औसत घटकर 39 गुना रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 71 गुना था। यह कंपनियों के मूल्यंकन, प्रबंधन गुणवत्ता और कारोबार की मजबूती को लेकर बढ़ती जांच को दर्शाता है। इसी तरह, सूचीबद्ध होने के पहले दिन मिलने वाला औसत लाभ वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर सात प्रतिशत रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 29 प्रतिशत था। वहीं, सूचीबद्ध आईपीओ कंपनियों का औसत सालाना प्रदर्शन 17 प्रतिशत नकारात्मक रहा।

नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर हुआ 39 प्रतिशत

भारतीय पूंजी बाजार की मजबूती को घरेलू निवेशकों की अच्छी भागीदारी और लगातार बढ़ते निवेशक आधार का समर्थन मिला। हालांकि, वैश्विक घटनाक्रमों, जिस कीमतों और मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव निवेशकों के फैसलों पर बढ़ा है। ग्रांट थॉन्टन की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य बाजार के आईपीओ से जुटाई गई राशि में बिक्री पेशकश (ओफफर) का दबदबा बना रहा और इसकी हिस्सेदारी 61 प्रतिशत रही। वहीं, नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर 39 प्रतिशत हो गया, जो वृद्धि के लिए पूंजी जुटाने की गतिविधियों में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। निवेशकों के बदले रुख का असर आईपीओ के लिए बोलों और सूचीबद्ध होने के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी और एक्सेंचर लर्नवैटेज ने एआई आधारित बीटेक, बीबीए कार्यक्रम शुरू किए

रोहट नोएडा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने एक्सेंचर लर्नवैटेज के साथ एक महत्वपूर्ण उद्योग-एकेडेमिया सहयोग किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य उद्योग-एकीकृत स्नातक कार्यक्रमों का एक पोर्टफोलियो शुरू करना है। ये कार्यक्रम छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में सफल होने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी, कारोबार और पेशेवर कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह सहयोग गलगोटिया यूनिवर्सिटी की अकादमिक नींव और जीवंत परिसर पारिस्थितिकी तंत्र को एक साथ लाता है। साथ ही, इसमें एक्सेंचर लर्नवैटेज की उद्योग-नेतृत्व वाली सीखने की विशेषज्ञता भी शामिल है। इसका लक्ष्य कक्षा की पढ़ाई और कार्यबल की बढ़ती आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटना है। जैसे-जैसे संगठन तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड, डेटा और डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपना रहे हैं, नियोक्ता ऐसे स्नातकों की तलाश में हैं। इन स्नातकों में मजबूत मूलभूत ज्ञान के साथ व्यावहारिक और उद्योग-प्रासंगिक क्षमताएं होनी चाहिए। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, यह सहयोग विशेषज्ञतापूर्ण बीटेक और बीबीए डिग्री पेश करेगा। परिसर में एक एक्सेंचर सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज भी स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र इन उद्योग-एकीकृत कार्यक्रमों का समर्थन करेगा। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उम्‍दगी प्रौद्योगिकियों और समकालीन उद्योग प्रथाओं से अधिक परिचित कराना है। इससे उन्हें अनुमतात्मक सीखने के अवसर भी मिलेंगे। यह सब उनकी करियर की तैयारी को बढ़ाएगा।

इस कार्यक्रम के तहत बीटेक इन कंप्यूटर साइंस विद् एआई कोर्स में चार स्पेशलाइजेशन शामिल हैं। इनमें क्लाउड और एआई, एआई के साथ फुल स्टैक डेवलपमेंट, डेटा साइंस, एआई और मशीन लर्निंग, तथा डिजाइन इंजीनियरिंग शामिल हैं। ये विशेषज्ञताएं छात्रों को गहन तकनीकी ज्ञान प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्त, बीबीए इंटीग्रेटेड विद् एआई कोर्स दो स्पेशलाइजेशन के साथ हैं। ये स्पेशलाइजेशन एआई-एकीकृत जर्नल मैनेजमेंट और एआई-संचालित सेल्स और मार्केटिंग हैं। छात्रों को अकादमिक शिक्षा, उद्योग-नेतृत्व वाली सामग्री और व्यावहारिक परियोजनाओं का एक संरचित मिश्रण मिलेगा। कार्यक्रम को आधुनिक उद्यमों की जरूरतों के अनुरूप क्षमताएं विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

छात्रों को इस सहयोग से कैसे लाभ होगा? : छात्रों को आभासी प्रयोगशालाओं, उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत, मूल्यंकन और प्रमाणन का भी लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के सफल समापन पर उन्हें गलगोटियास यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त होगी। इस सहयोग का एक मुख्य अंतर समाज सीखने के अनुभव के माध्यम से उद्योग-तैयार प्रतिभा विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना है। अकादमिक और तकनीकी शिक्षा के अलावा, छात्रों को करियर-तैयारी हस्तक्षेपों तक पहुंच प्राप्त होगी। इनमें पेशेवर कौशल विकास और कार्यस्थल संसार शामिल हैं। उद्योग मार्गदर्शन, साक्षात्कार की तैयारी और रोजगार सहायता भी प्रदान की जाएगी। यह सब छात्रों को कार्यस्थल के लिए पूरी तरह तैयार करेगा।

हरियाणा सरकार

निविदा सूचना

क्र. सं. / प्रार्थ. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि (समय)	गोश. ईमेल (लाभमा) रु. में	बोर्ड./सम. / प्रार्थ. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1 नगर पालिका महम	वार्ड नं. 9, महम में धर्मवीर जागड़ा से देसराज तक गली और ड्रेन का निर्माण + 7 कार्य।	08.08.2026 15.08.2026	डीएनआईटी के अनुरूप	https://tenders.hry.nic.in	9416022295 अनु.प्रशा.डी.एनआईटी

अधिक जानकारी हेतु कृपया पथारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in संवाद-13/2027/40/48047/11/88/6 दि. 10.08.26

हरियाणा सरकार

निविदा सूचना

क्र. सं. / प्रार्थ. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि (समय)	गोश. ईमेल (लाभमा) रु. में	बोर्ड./सम. / प्रार्थ. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1 एचएसएमसी रोहतक	सब-वार्ड चौटाला (एम.सी. डबलवाली) में हाईमार्ट लाइटिंग स्थापना, सर्विस लाइन और स्ट्रीट लाइट की स्थापना।	06.08.2026 13.08.2026	ईएमपी-56,900/-	https://tenders.hry.nic.in	9812100311 कमिश्नरी/डी.एनआईटी
2 एचएसएमसी रोहतक	महम निर्वाचन क्षेत्र जिला रोहतक में कार्य योजना 2026-27 के तहत 2 अदर सम्पर्क सड़कों की विशेष मरम्मत अर्थात अजायब से बैसी आईडी-1790 (18 फीट चौड़ा रोड), रेलवे स्टेशन लाहली से बताना बाया मोखा आईडी 1883 (18 फीट चौड़ा रोड), (ग्रुप-1) (एम.सी. महम)	बंद होने की तिथि 20.08.2026	अनुमोदित डीएनआईटी के अनुरूप	https://tenders.hry.nic.in	9643198066 ecorlct@haryngmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पथारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in संवाद-13/2027/60/48048/11/88/6 दि. 10.08.26

शब्द पहेली - 6314

1	2	3	4	5	6	7	
8	9			10			11
12	13		14	15		16	
17	18		19	20		21	
22		23			24		
		25					
26	27	28			29	30	31
33				34	35	36	
37			38		39	40	41
			42		43	44	
	45				46		

बाएँ से दाएँ

- मूख, बेवकूफ (उर्दू-4)
- संपत्ति-4
- कटि, पीठ-3
- प्रणाम, नमस्कार-3
- अर्धोन-2
- पितामह-2
- कार्य-2
- पराजय-2
- अच्छे कुल का-3
- तरंग, हिलोर-3
- एक प्रकार की दाल-3
- ओस, रजनी जल(उर्दू-4)
- गान, आकाश-4
- स्पच्छ करना-5
- आश्चर्यजनक-4
- जो लायक न हो-4
- उल्टी, कै-3
- रनिवास, जनवासा-3
- पंक, लाइन-3
- सुर, लय, आलाप-2
- दंड, शिक्षा-2

39. पराजय-2

- शुका हुआ-2
- कर्म, भाग्य-3
- भार-3
- शूल, गलती (उर्दू-4)
- गलती, गलीब-4
- ऊपर से नीचे
- अधिकार-2
- माँ का दुलार-3
- ताली की आवाज-4
- अनुभव-4
- जुड़वा-3
- दक्षिणा-2
- राम के पुत्र-2,2
- अभिलाषा, -4
- क्रूस, सूली-3
- पाचनशक्ति-3
- ईसाई साध्वी-2
- जीवनसाथी-5
- गरबा, नृत्य-2
- मालिश-3
- दर्पण, शोशा-3

26. ईश्वर-4

- बाग, गुलिस्तां-3
- क्रिकेट में बनते हैं-2
- दुलारा, पुत्र-2
- भरोसा, विश्वास-3
- करामात-4
- शर्विंग करना-4
- हाथी साधने वाला-4
- आसान, सीधा-3
- कपड़े धोने वाला-3
- बलगाम-2
- सरिता-2

शब्द पहेली - 6313 का हल

क	प	क्ष	आ	स	ग	मा	या
ल	श	र	क	ला	हि		
ग	र	धी	न	ता	द	अ	सु
न	र	लु	द	मार	र		
सा	ज				सा	या	
व	फि	त	र	त	ह	न	
का	न	त	ल	न	क	ब	जा
फि		व	शा	य	र	हा	
र	वा	व	म	न	त	श	नि
	द	य		रो	ब	दा	र

जियो ने बढ़ाया ओटीटी-पास का दायरा, 550 रुपये में तीन महीने मनोरंजन

नई दिल्ली। फिल्में, वेब सीरीज, लाइव स्पोर्ट्स और टीवी देखने वाले जियो ग्राहकों के लिए अब लंबे समय के ओटीटी-पास भी उपलब्ध होंगे। कंपनी ने 550 रुपये में 84 दिन और 2,000 रुपये में 365 दिन वाले दो नए पास जोड़े हैं। पहले से मौजूद 200 रुपये के पास की वैधता 28 दिन है। तीनों पास में हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड 5जी, 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप्स और जियो टीवी पर 1,000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल्स का एक्सेस मिलेगा। नए ओटीटी-पास एक साल के सक्रिय बेस प्लान वाले ग्राहकों के लिए होगा। वॉयस-ओनली प्लान इसमें शामिल नहीं हैं। लंबी अवधि का पास लेने पर ग्राहक की लागत भी कम होती है। पहले 200 रुपये का 28 दिन वाला पास अगर ग्राहक तीन बार लेता तो उसे 84 दिनों के लिए 600 रुपये खर्च करने पड़ते, जबकि नया 84 दिन वाला पास 550 रुपये का है। यानी 50 रुपये की सीधी बचत। सालभर के लिए पास पर अब 2400 रुपये के बजाए मात्र 2000 रुपये खर्च करने होंगे। यानी पहले के मुकाबले 400 रुपये कम। डेटा भी अवधि के हिसाब से बढ़ेगा 200 रुपये के पास में 30जीबी, 550 रुपये के पास में 90जीबी और 2,000 रुपये के सालाना पास में 365 जीबी हाई-स्पीड डेटा मिलेगा।

ट्राई ने की लॉजिस्टिक कंपनियों के लिए 1601 नंबर सीरीज अनिवार्य

एजेसी ►► नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं बीमा (बीएफएसआई) तथा सार्वजनिक क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों की सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल के लिए अलग 1601 नंबर श्रृंखला के इस्तेमाल का निर्देश दिया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि पहले चरण में 1601 नंबर श्रृंखला का उपयोग बिजली, पानी, रसोई गैस, शहर गैस, कूरियर और लॉजिस्टिक क्षेत्र की कंपनियां अपने ग्राहकों को सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए करेंगी। इन नंबरों का उपयोग किसी भी तरह की प्रचार (प्रमोशनल) कॉल के लिए नहीं किया जा सकेगा।

डॉलर के सामने 11 पैसे गिरा रुपया, 95.28 के स्तर पर पहुंचा

एजेसी ►► मुंबई

मजबूत डॉलर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच सोमवार को रुपया 11 पैसे कमजोर होकर 95.28 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, पश्चिम

एशिया वार्ता में कोई प्रगति नहीं होने और डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। हालांकि, विदेशी निवेशकों के प्रवाह ने रुपए को थोड़ा सहारा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.18 पर खुला और कारोबार के दौरान

उत्तर रेलवे

ई-निविदा खुली निविदा संख्या 21-अम्बाला/2026-27 दिनांक 10.08.2026

वॉरिच मंडल अभियंता-सम्पन्न/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र.सं.- 1. कार्य का नाम: अम्बाला डिडीजन में वॉर्कशॉप के अंदर बायो-टॉयलेट, टैरिटेज लैब बिल्डिंग बनाना (ii) ADENUJUDW सेक्शन के तहत जगहवारी वर्कशॉप में एयर कंफ्रेशर कम और अलग-अलग शेड की AC शीट, गटर और रैनवाटर पाइप बदलना। अनुमानित लागत (Rs): 65,28,901 अग्रिम राशि (Rs.): 1,30,600 कार्य समाप्ति का समय: 09 महीने, निविदा खुलने की तिथि: 01.09.2026

नोट: 1 ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी समर्थित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2 अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेंट नेट बैंकिंग / गेटवे पेमेंट / बैंक गारंटी बांड अनुबंध IV के द्वारा ही स्वीकार होगी। 3 निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लोग ऑन करें। 4 ठेकेदार को ई-निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल साइनचर सर्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5 जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

ग्राहकों की सेवा में मुद्रकान के साथ 2761/2026

भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

शुद्धि पत्र

आरएफपी. नं. : 11/02/2026-आजीविका-भाग (1) (34478) जारी होने की तिथि : 11 अगस्त 2026

ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य (जिला-बस्तर) में जनजातीय युवाओं के प्लेसमेंट लिंक कोशल के लिए पायलट प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन हेतु प्रस्तावों के लिए आग्रह

उपरोक्त विषय के लिए 31 जुलाई 2026 को जारी विज्ञापन के संदर्भ में। जनजातीय कार्य मंत्रालय, ओडिशा और झारखंड राज्य के अतिरिक्त, छत्तीसगढ़ (जिला बस्तर) में प्लेसमेंट लिंक कोशल के लिए पायलट प्रोजेक्ट हेतु प्रोन्नत प्रस्ताव आमंत्रित करता है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रत्येक राज्य के लिए लक्ष्य 500 अनुसूचित जनजाति (एसटी) युवा (500-झारखण्ड, 500-ओडिशा और छत्तीसगढ़-जिला : बस्तर-500) रखा गया है।

प्रस्ताव जमा करवाने हेतु पता	कमरा नं. 13074, तुतीय तल, कर्तव्य भवन-I, नई दिल्ली-110001
प्रस्ताव जमा करवाने हेतु अन्तिम तिथि	30 अगस्त 2026, 17:00 बजे आईएसटी तक
पूर्व-प्रस्ताव बैठक	19 अगस्त 2026, कर्तव्य भवन-I, नई दिल्ली में (हाइब्रिड मोड)

विवरण हेतु कृपया <https://tribal.gov.in> पर पथारें (निविदाएं, रिक्तियां एवं विज्ञापन-टैब)।

प्रश्नों के लिए : shambhu.pal@gov.in | टेली. : 011-24013725

अवर सचिव (आजीविका), जनजातीय कार्य मंत्रालय, कर्तव्य भवन-1, नई दिल्ली

सीबीसी 43101/11/0009/2627

शब्द पहेली - 6313 का हल

क	प	क्ष	आ	स	ग	मा	या
ल	श	र	क	ला	हि		
ग	र	धी	न	ता	द	अ	सु
न	र	लु	द	मार	र		
सा	ज				सा	या	
व	फि	त	र	त	ह	न	
का	न	त	ल	न	क	ब	जा
फि		व	शा	य	र	हा	
र	वा	व	म	न	त	श	नि
	द	य		रो	ब	दा	र

ख़बर संक्षेप

पत्रकार हत्याकांड में राम रहीम की रिहाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करने को तैयार हो गया जिसमें डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक पत्रकार की 2002 में हुई हत्या के मामले में बरी कर दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश (सोनेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची व न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा, इस मामले पर विचार करने की जरूरत है। न्यायालय ने मारे गए पत्रकार के बेटे अरिंदमन की याचिका को 16 नवंबर से शुरू होने वाले हफ्ते में अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

सड़क दुर्घटनाओं में मौतें शून्य करने की दिशा में काम जारी: गडकरी नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को शून्य करने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत अधिक दुर्घटनाओं वाले 100 जिलों की पहचान कर दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। जब उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री का पद संभाला था तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था, अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

गडकरी ने कहा कि सरकार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को शून्य करने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत अधिक दुर्घटनाओं वाले 100 जिलों की पहचान कर दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। जब उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री का पद संभाला था तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था, अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

हरिद्वार में सावन के दूसरे सोमवार पर श्रद्धालु का सैलाब



हरिद्वार। हरिद्वार में सावन के दूसरे सोमवार को हर की पौड़ी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और पूजा-अर्चना की। सुबह से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। सावन सोमवार के चलते पूरे हरिद्वार में भक्तिमय माहौल रहा। देशभर से हजारों की संख्या में कांवड़िए गंगाजल लेने हरिद्वार पहुंच रहे हैं। कांवड़िए हर की पौड़ी से गंगाजल भरकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। सावन के चलते हरिद्वार में कांवड़ियों की भारी भीड़ नजर आ रही है। बोल बम के जयकारों से हरिद्वार का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। कांवड़िए गंगाजल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

फ्रेंडशिप से मना करने पर वारदात मोहाली में छात्रा से 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप

एजेंसी ►► मोहाली

मोहाली में 16 साल की छात्रा को किडनेप कर 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप किया गया। एक आरोपी कई दिन से छात्रा से फ्रेंडशिप करने के लिए कह रहा था। छात्रा ने इनकार किया तो उसने अपने 2 और साथियों के साथ उसे स्कूल जाते वक्त कार में उठा लिया। फिर अज्ञात जगह पर ले जाकर तीनों ने बारी-बारी से उसका रेप किया। फिर उसे घर के पास छोड़ दिया। अगले दिन फिर उसी स्कूल टाइम में वह लड़की को उठा ले गए और फिर से गैंगरेप किया। इस बार उसे बेहोश हालत में ही गिफ्ट शॉप के पास फेंक गए। छात्रा ने किसी राहगीर



से फोन लेकर घर पर फोन कर माता-पिता को उसे ले जाने के लिए कहा। बेहोशी और गैंगरेप की वजह से लड़की चल भी नहीं पा रही थी। इससे माता-पिता को पूरे मामले का पता चला। लड़की से पुलिस को आरोपी के फ्रेंडशिप के लिए दी गई पच्ची मिल गई है, जिसमें आरोपी ने अपना नाम व मोबाइल नंबर दिया है।

13 की उम्र में साम्राज्य को हिलाने वाली पूर्वोत्तर की ‘रानी गाइदिन्ल्यू’ 17 साल की आयु में उम्र कैद की सजा सुनाई गई पंडित नेहरू ने बहादुरी देख ‘रानी’ नमन दिया था

सेटल डेस्क ►► गोपाल

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन की एक 13 साल की वीरंगना भी है जिसने न केवल अंग्रेजों का साम्राज्य हिला दिया बल्कि अपने जुझारूपन से पूरी दुनिया में प्रख्यात हो गई। जब भारत से लेकर ब्रिटिश तक इस नाबालिग के नाम के चर्चे हुए तो खुद पंडित जवाहर लाल नेहरू उनसे मिलने के लिए उत्सुक हो गए। बिना देरी के पंडितजी ने जेल में जाकर मुलाकात



की। अदम्य साहस की गाथा इतनी बुलंद थी कि खुद नेहरू ने उनके नाम के आगे ‘रानी’ लगाकर संबोधित किया। तभी से ‘रानी गाइदिन्ल्यू’ रानी के नाम से भी जानी जाने लगीं। रानी जब 13 साल की थीं तभी से उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लोगों को एकजुट करना शुरू कर दिया।

आजादी के 25 साल बाद सम्मान मिला

अंग्रेजों ने रानी पर जुल्म और अत्याचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। देश आजाद हुआ तब उन्हें जेल से रिहा गया गया। लेकिन उन्हें सम्मान देने में भी भारतीय हुकूमत ने करीब 25 साल लगा दिए। सरकार ने उन्हें पहला सम्मान 1972 में ताम्रपत्र प्रदान किया। इसके बाद 1982 में पद्म भूषण और 1983 में विवेकानंद सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। 1993 में उनके निधन के बाद 1996 में भारतीय डाक विभाग ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया।

संसद में गतिरोध : जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर हुई कार्रवाई पर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने फायरिंग का आदेश किसने दिया: राहुल कोई गोली ही नहीं चली: जेपी नड्डा

■ विपक्ष की तीन मांगें-गोलीकांड की जिम्मेदारी तय हो, पीएम माफ़ी मांगें, राम मंदिर चोरी पर चर्चा हो

■ जेपी नड्डा ने कहा-राहुल का विपक्ष के नेता के रूप में गैर जिम्मेदराना व्यवहार रहता है

राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर जंतर-मंतर प्रदर्शन पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। राहुल ने सवाल किया कि लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। इसका जिम्मेदार कौन है, वो सामने आए। गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें। राहुल ने कहा कि विपक्ष की तीन मांगें हैं। पहली- युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी- प्रधानमंत्री घटना के लिए माफ़ी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो।

जेपी नड्डा ने कहा- जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार, आप चर्चा से मत भागिएगा। उधर, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिज्जु ने लोकसभा में कहा कि शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिज्जु ने इसकी जानकारी नहीं दी है।



सरकार विस्तार से चर्चा और जवाब देने को तैयार: किरेन रीजीजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिज्जु ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार छात्रों के मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है और गृह मंत्री अमित शाह विस्तार से जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन विपक्ष को उनका पूरा जवाब सुनना पड़ेगा। अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद जब अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो रीजीजू ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, "कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पहले दिन से यह मांग कर रहे थे कि गृह मंत्री अमित शाह को (छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर) जवाब देना चाहिए।" रीजीजू ने कहा, "मैं सरकार की ओर से स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूँ कि सरकार छात्रों के मामले को लेकर चर्चा के लिए तैयार है और पूरा जवाब देने के लिए तैयार है। गृह मंत्री अमित शाह विस्तार से जवाब देने को तैयार हैं।



गतिरोध खत्म करने का का प्रयास विफल विपक्ष चढ़ावा चोरी से जुड़ी मांग पर कायम

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए सरकार ने सोमवार को छात्रों के आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की पेशकश की, लेकिन कांग्रेस ने कहा कि विपक्ष अयोध्या के राम मंदिर से कथित चढ़ावे की चोरी के मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की अपनी दोनों मांगों पर कायम है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि ये दोनों मांगें एक दूसरे से जुड़ी हैं तथा "विपक्षी एकजुटता" में द्दार डालने के सरकार के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने दिया जाएगा। लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसपी) की बैठक में सरकार की तरफ से विपक्ष को प्रस्ताव दिया गया कि छात्रों के मुद्दे पर चर्चा के बाद गृह मंत्री अमित शाह सदन में जवाब देने को तैयार हैं।

■ विपक्षी एकजुटता में दरार डालने के सरकार के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने दिया जाएगा

संसद में कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक 2026 पारित

संसद ने सोमवार को 'कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026' पारित कर दिया। राज्यसभा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से मंजूरी दी। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी थी।विधेयक का मुख्य उद्देश्य नीतिगत स्थिरता और प्रक्रियागत निश्चितता उपलब्ध करारकर विदेशी निवेश आकर्षित करना तथा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इसमें भारत आने वाले फंड मैनेजर्स के लिए नियम असाव करने और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़ी विदेशी कंपनियों को 2040-41 तक कर छूट देने का प्रावधान है। मोबाइल फोन, लैपटॉप, कंप्यूटर, टैबलेट और स्मार्ट जैके इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद इसके तहत आने वाले हैं। विधेयक में भारत में अनुबंध विनिर्माताओं को पुर्जे उपलब्ध कराने वाली विदेशी कंपनियों के लिए भी 15 साल तक कर छूट का प्रस्ताव है।

दीप्ति गौर मुखर्जी नई उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को आईएएस दीप्ति गौर मुखर्जी को नया उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त किया। नियुक्ति केंद्र सरकार के शीर्ष स्तर के नौकरशाही फेरबदल के तहत की गई है। दीप्ति गौर मुखर्जी 1993 बैच की मध्य प्रदेश केडर की आईएएस अधिकारी हैं। वे अभी कोरपोरेट मामलों की सचिव के तौर पर काम कर रही थीं। मुखर्जी, विनोत जोशी की जगह लेंगी।

जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग कराता छात्रों पर विवादित बयान देने वाले यूट्यूबर को मिली जमानत

भाषा ►► कोच्चि

तिरुवनंतपुरम की एक अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ नयी दिल्ली में हुए छात्र आंदोलन के बारे में कथित रूप से की गई टिप्पणियों के मामले में गिरफ्तार दक्षिणपंथी राजनीतिक टिप्पणीकार टी जी मोहनदास को सोमवार को जमानत दे दी। तिरुवनंतपुरम की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अदालत के न्यायाधीश मिथुन गोपी जीएस ने मोहनदास को अदालत में पेश किए जाने के बाद जमानत दे दी। मोहनदास की गिरफ्तारी सोमवार



सुबह दर्ज की गई। उन्हें रविवार शाम कोच्चि के मट्टनचेरी स्थित उनके घर से हिरासत में लिया गया था। दक्षिणपंथी टिप्पणीकार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केरल पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

3 बागी टीएमसी सांसदों का भाजपा में जाने से इनकार

केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे

■ टीएमसी के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में विलय किया था

एजेंसी ►► नई दिल्ली



पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान ने कहा है कि वे भाजपा में शामिल नहीं होंगे और वे एनडीए का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे भाजपा की राजनीति से सहमत नहीं हैं, लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे। ये तीनों उन 20 बागी टीएमसी सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद मरता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय किया था। इसके बाद एनडीए को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से एनसीपीआई सांसद के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अबू ताहिर और खलीलुर रहमान के मुताबिक, स्पीकर अभी भी उन्हें संसद में टीएमसी सांसद कहकर संबोधित करते हैं और उनके नाम के साथ टीएमसी लिखा जाता है। पीएम मोदी ने 7 जुलाई को अपने अवास पर एनडीए के सांसदों के लिए मीटिंग आयोजित की थी। इस दौरान टीएमसी के बागी सांसद भी शामिल हुए थे।

महत्वपूर्ण सूचना

कांवड़ मेला-2026 के लिए विशेष व्यवस्था

कांवड़ मेला—2026 के दौरान कांवड़ियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा कुछ नामित रेल सेवाओं को हरिद्वार तक विस्तार करने, निम्नलिखित कांवड़ विशेष रेलगाड़ियों का संचालन करने और वर्तमान में संचालित की जा रही कुछ रेलगाड़ियों को अस्थायी तौर पर नए ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:—

रेलगाड़ी संख्या 74023/74022 दिल्ली जं.-शामली-दिल्ली जं. डीईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार (प्रतिदिन)					
रेलगाड़ी सं. 74023	↓	स्टेशन	↑	रेलगाड़ी सं. 74022	
आगमन	प्रस्थान			आगमन	प्रस्थान
---	20:00	दिल्ली जं.		09:25	---
दिल्ली जं.—शामली के बीच कोई परिवर्तन नहीं					
22:50	22:55	शामली		06:25	06:30
23:20	23:22	थाना भवन		05:11	05:12
23:44	23:45	रामपुर मनिहारान		04:47	04:48
00:15	00:17	टपरी जं.		04:32	04:33
00:56	00:58	रूड़की		04:03	04:05
01:38	01:40	ज्वालापुर		03:15	03:17
01:55	---	हरिद्वार		---	03:05

चलने के दिन: 74023 दिल्ली जं. से दिनांक 13.08.2026 तक (प्रतिदिन) और 74022 हरिद्वार से दिनांक 14.08.2026 तक (प्रतिदिन)।

स्थान: सामान्य

रेलगाड़ी संख्या 64557/64558 दिल्ली जं.-सहारनपुर-दिल्ली जं. एमईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार (प्रतिदिन)					
रेलगाड़ी सं. 64557	↓	स्टेशन	↑	रेलगाड़ी सं. 64558	
आगमन	प्रस्थान			आगमन	प्रस्थान
---	16:15	दिल्ली जं.		08:45	---
दिल्ली जं.—सहारनपुर के बीच कोई परिवर्तन नहीं					
20:50	21:10	सहारनपुर		03:40	04:20
21:48	21:50	रूड़की		02:53	02:55
22:25	22:27	ज्वालापुर		02:10	02:12
22:50	---	हरिद्वार		---	02:00

चलने के दिन: 64557 दिल्ली जं. से दिनांक 13.08.2026 तक (प्रतिदिन) और 64558 हरिद्वार से दिनांक 14.08.2026 तक (प्रतिदिन)।

स्थान: सामान्य

मेला विशेष रेलगाड़ियों का निम्न समय-सारणी के अनुसार संचालन

04314/04313 हरिद्वार-दिल्ली शाहदरा-हरिद्वार अनारक्षित मेला विशेष (प्रतिदिन)					
रेलगाड़ी सं. 04314	↓	स्टेशन	↑	रेलगाड़ी सं. 04313	
आगमन	प्रस्थान			आगमन	प्रस्थान
---	15:30	हरिद्वार		04:25	---
20:40	---	दिल्ली शाहदरा		---	22:25

चलने के दिन: 04314 हरिद्वार से और 04313 दिल्ली शाहदरा से दिनांक 13.08.2026 तक (प्रतिदिन)।

स्थान: शयनयान / सामान्य

ठहराव: ज्वालापुर, रूड़की, टपरी जं., मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04316/04315 योग नगरी ऋषिकेश-दिल्ली शाहदरा-योग नगरी ऋषिकेश अनारक्षित मेला विशेष (प्रतिदिन)					
रेलगाड़ी सं. 04316	↓	स्टेशन	↑	रेलगाड़ी सं. 04315	
आगमन	प्रस्थान			आगमन	प्रस्थान
---	20:35	योग नगरी ऋषिकेश		11:00	---
03:50	---	दिल्ली शाहदरा		---	04:20

चलने के दिन: 04316 योग नगरी ऋषिकेश से दिनांक 13.08.2026 तक (प्रतिदिन) और 04315 दिल्ली शाहदरा से दिनांक 14.08.2026 तक (प्रतिदिन)।

स्थान: शयनयान / सामान्य

ठहराव: रायवाला जं., मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, रूड़की, टपरी जं. एवं शामली स्टेशन।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

04318/04317 योग नगरी ऋषिकेश-आलमनगर- योग नगरी ऋषिकेश अनारक्षित मेला विशेष (प्रतिदिन)					
रेलगाड़ी सं. 04318	↓	स्टेशन	↑	रेलगाड़ी सं. 04317	
आगमन	प्रस्थान			आगमन	प्रस्थान
---	19:00	योग नगरी ऋषिकेश		23:00	---
10:45	---	आलमनगर		---	12:05
चलने के दिन: 04318 योग नगरी ऋषिकेश से दिनांक 28.08.2026 तक (प्रतिदिन) और 04317 आलमनगर से दिनांक 29.08.2026 तक (प्रतिदिन) ।					
आन: शयनयान / सामान्य					
ठहराव: रायवाला जं., मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, लक्सर जं., बालावाली, अज्जमपुर नारायण जं., नजीबाबाद जं., मुरादाबाद, रामपुर जं., बरेली एवं हाजूरपुर जं. स्टेशन।					
दिनांक 13.08.2026 तक रेलगाड़ियों का अस्थायी ठहराव					
रेलगाड़ी सं. एवं नाम	आवृति	अस्थायी ठहराव	समय-सारणी		
			आगमन	प्रस्थान	
4113 सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	11:14	11:16	
		मोतीचूर	11:04	11:06	
		ज्वालापुर	10:43	10:45	
4114 देहरादून-सूबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	14:10	14:12	
		मोतीचूर	14:34	14:36	
		ज्वालापुर	15:15	15:17	
4309 लक्ष्मीबाई नगर-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	17:35	17:37	
		मोतीचूर	17:00	17:02	
		ज्वालापुर	15:53	15:55	
4310 योग नगरी ऋषिकेश-लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	07:08	07:10	
		मोतीचूर	07:24	07:26	
		ज्वालापुर	07:52	07:54	
4317 लक्ष्मीबाई नगर-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	17:35	17:37	
		मोतीचूर	17:00	17:02	
		ज्वालापुर	15:53	15:55	
4318 योग नगरी ऋषिकेश-लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	07:08	07:10	
		मोतीचूर	07:24	07:26	
		ज्वालापुर	07:52	07:54	
9565 ओखा-देहरादून एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	17:35	17:37	
		मोतीचूर	17:00	17:02	
		ज्वालापुर	15:53	15:55	
9566 देहरादून-ओखा एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	07:08	07:10	
		मोतीचूर	07:24	07:26	
		ज्वालापुर	07:52	07:54	
2659 तिरुवनंतपुरम-योग नगरी ऋषिकेश सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	13:04	13:06	
		मोतीचूर	12:52	12:54	
		ज्वालापुर	12:08	12:10	
2660 योग नगरी ऋषिकेश-तिरुवनंतपुरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	07:08	07:10	
		मोतीचूर	07:24	07:26	
		ज्वालापुर	07:52	07:54	
4610 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-योग नगरी ऋषिकेश हेमकुण्ड एक्सप्रेस	प्रतिदिन	मोतीचूर	07:20	07:22	
		ज्वालापुर	06:48	06:50	
4609 योग नगरी ऋषिकेश-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा हेमकुण्ड एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	18:31	18:33	
4075 बरेली-दिल्ली जं. सेंजर	प्रतिदिन	कांकाठेर	23:36	23:38	
4076 दिल्ली जं.-बरेली सेंजर	प्रतिदिन	कांकाठेर	02:40	02:42	
4815 योगगानगर-ऋषिकेश एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	14:16	14:18	
		मोतीचूर	13:54	13:56	
		ज्वालापुर	13:24	13:26	
4816 ऋषिकेश-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	13:35	13:37	
		मोतीचूर	14:02	14:04	
		ज्वालापुर	14:28	14:30	



फॉलो करें

पर हमें



उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा-हमारा ध्येय

वेब www.nr.indianrailways.gov.in पर क्लिक करें

27/5/2026

शाहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चिंतन युवाओं के सब्र का इम्तिहान न लें सरकारें

नीट के बाद अब झारखंड की जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में सामने आ रहे विवादों ने देश की भर्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रांची में सोमवार को जो हुआ, वह केवल छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की घटना नहीं है, बल्कि उस बढ़ते आक्रोश का संकेत है जो देश के युवाओं के भीतर लगातार जमा हो रहा है। झारखंड में हजारों छात्र पिछले 17 दिनों से परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। जब उनकी आवाज नहीं सुनी गई तो सोमवार को वे विधानसभा घेराव के लिए पहुंच गए। बैरैकेडिंग टूटी, छात्र विधानसभा गेट तक पहुंचे, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति किसी के लिए भी संतोषजनक नहीं हो सकती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर युवा सड़क पर उतरने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? प्रतियोगी परीक्षाएं उनके लिए महज एक परीक्षा नहीं होतीं। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें, आर्थिक संघर्ष और बेहतर भविष्य का सपना जुड़ा होता है। जब परीक्षा में पेपर लीक, नकल, फर्जीवाड़े या धांधली के आरोप लगते हैं तो चोट केवल एक परीक्षा पर नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर युवाओं का भरोसा टूटता है। हर बार परीक्षा में धांधली के पीछे दो गंभीर आशंकाएं सामने आती हैं। पहली पैसे या प्रभाव के जरिए पेपर पास करवाना और नौकरी पाना। दूसरी, पैसे के दम पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र या गोपनीय सामग्री तक पहुंच बनाने का खेल। इनमें सरकार के नुमाइंदों और जो एजेंसी पेपर करवा रही है, उसके अफसरों की मिलीभगत सामने आती है। कुल मिलाकर अफसर चंद रुपयों के लालच में युवाओं के भविष्य का सोदा कर बैठते हैं और छात्र आंदोलन को मजबूर होते हैं। यदि इन आशंकाओं में सच्चाई है तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ संगठित खिलवाड़ है। इसमें किसी भी स्तर पर अधिकारी, कर्मचारी, परीक्षा एजेंसी या बाहरी गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए स्पष्ट संदेश बने। यदि छात्रों को परीक्षा में गड़बड़ी का संदेह है तो सरकार को उनके सामने जांच की प्रक्रिया, तथ्य और रिपोर्ट रखनी चाहिए। अगर आरोप गलत हैं तो प्रमाण के साथ स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए और अगर गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार लोगों के नाम सामने आने चाहिए। सरकारों को भर्ती परीक्षाओं के लिए ऐसी प्रारदशीं और सुरक्षित व्यवस्था बनानी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा कराने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणाम जारी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही तय हो। संवेदनशील प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और एजेंसियों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। सबसे जरूरी है कि छात्रों की शिकायतों को सुनने के लिए स्थायी संवाद तंत्र बनाया जाए। आंदोलन शुरू होने और विधानसभा घेराव की नौबत आने का इंतजार क्यों किया जाए? सरकारें समय रहते छात्रों के प्रतिनिधियों से बात करें और उनकी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करें। सरकारों को युवाओं के सब्र का इम्तिहान लेने के बजाय उनके भरोसे की परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही ही वह रास्ता है, जिससे सड़कों पर उतरते युवाओं को फिर से किताबों और अपने भविष्य की ओर लौटया जा सकता है।

विशेष अनुभव शर्मा

भगवान महादेव का प्रिय है विदेशी धतूरा

धतूरे: पूजन शंभो: सर्वकामफलप्रदम्।

विषनाशकरं चैव सर्वसौभाग्यवर्धनम्॥

(अर्थात: भगवान शिव का धतूरे के फूलों या फलों से पूजन करना सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला, विश्व यानी नकारात्मकता और कष्टों का नाश करने वाला तथा समस्त सौभाग्य को बढ़ाने वाला होता है।)
भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने का महात्म्य दर्शाने वाला यह प्राचीन श्लोक है। परंतु यह आश्चर्यजनक है कि महादेव का प्रिय धतूरा मूलत: भारतीय ही नहीं है, बल्कि यह प्रशांत महासागर के उस पार स्थित अमेरिका महाद्वीप के मैक्सिको की मूल प्रजाति है, जिसका वैज्ञानिक नाम डाउरा स्ट्रामोनियम है। पशुपति नाथ की संघव मुहरों से लेकर ऋग्वेद के रुद्र शिव तक भारत में शैव पूजा का हजारों वर्ष प्राचीन इतिहास है इसी कारण शिव आदिदेव भी कहे जाते हैं परन्तु धतूरे को वनस्पति शास्त्री मूलत: मैक्सिको का पौधा बताते हैं जो बाद में भारत पहुंचा, परन्तु प्रश्न है कब और कैसे। लगभग दो हजार वर्षों पहले इसका उल्लेख चरक संहिता में 'उन्मत्त' या 'धतुरे' के रूप में मिलता है, जो इसे भ्रम पैदा करने वाली औषधि बताते हैं। वहीं, महर्षि सुश्रुत इसे कुत्तों के काटने से होने वाले रोग 'रेबीज' के उपचार में उपयोगी मानते हैं। वात्स्यायन के कामसूत्र के अनुसार, नागरक या शहरी लोग धतूरे को तांबूल (पान) के साथ मिलाकर एक सुगंधित लेप तैयार करते थे। महाकवि बाणभट्ट अपनी रचना 'हर्षचरित' में विंध्यचल के वनों की आटविक (जंगली) जातियों द्वारा तंत्र में प्रयुक्त औषधि के रूप में इसका उल्लेख इस प्रकार करते हैं।

उद्धत-धतुरे-प्रहं-संकुलैः, प्रपुष्पीकृत-शबर-पल्लव-कुटीरैः....

(भावार्थ: वह विंध्य के जंगल का क्षेत्र था, जो बाहर निकले हुए धतूरे के पौधों के अंकुरों से घिरे हुए थे और जहां शबरों जंगली जातियों की पत्तों से बनी कुटियाएं थीं।)
चोल काल के प्रसिद्ध ऐरावतेश्वर मंदिर में भगवान शिव की कंकाल मूर्ति की जटाओं और आभूषणों में धतूरे के फूल का अंकन मिलता है। इन साक्ष्यों से यह जाहिर है कि धतूरा ईस्वी सन के आस-पास ही भारत भूमि में आ चुका था, जबकि इसके पहले वेदों, उपनिषदों या फिर सैन्धव सभ्यता में यह पूर्णतः अनुपस्थित मिलता है। प्रश्न यह है कि फिर यह आदिदेव शिव का प्रिय फूल कैसे हुआ?
कोलम्बस की अमेरिका की खोज (1492 ईस्वी सन) के बाद ही 'नई दुनिया' की वनस्पतियां एशिया और यूरोप के संपर्क में आईं, जिसमें आलू, टमाटर, मिर्च, कद्दू से लेकर तंबाकू जैसी आज की प्रचलित किस्में शामिल हैं। फिर धतूरा ईस्वी सन की शुरुआत में भारत तक कैसे पहुंचा? क्या प्री-कोलम्बस काल में भी अमेरिकी महाद्वीप से भारतीय संपर्क हुआ था? यह इतिहास की अबूझ पहली है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट के नवीन अनुसंधानों में यह साबित हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया के मूल नेटिव आदिवासियों में लगभग 4000 साल पहले भारतीय डीएनए पाए गए हैं, जो द्रविड़ एवं तटीय भारतीय व्यापारिक संबंधों की पुष्टि करते हैं, परंतु मैक्सिको के संदर्भ में ऐसे किसी भी आदान-प्रदान के साक्ष्य कोलम्बस से पहले नहीं मिलते। हालांकि, ऐसी विकास अवधारणाओं को 'अभिसारी विकास' के रूप में भी देखा जाता है। जब अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले जीवों या पौधों को पर्यावरण, जलवायु या जीवनशैली की लगभग एक जैसी चुनौतियां मिलती हैं, तो प्रकृति उन्हें जीवित रहने के लिए समान शारीरिक या जैविक रूप ढालने पर मजबूर कर देती है। पौराणिक कथाओं में समुद्र मंथन से निकले विष पान के कारण भगवान शिव को 'नीलकंठ' कहा गया है। कालकूट विष की उष्णता इतनी अधिक थी कि देवताओं और ऋषियों ने शिवजी को इस महापीड़ा को शांत करने के लिए उन्हें ठंडी प्रकृति वाली और विष का प्रभाव काटने वाली औषधियां अर्पित कीं। कालकूट विष के प्रचंड ताप से पीड़ित शिवजी की पीड़ा को शांत करने में धतूरे ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई, इसलिए भगवान शिव को धतूरा अतिप्रिय माना गया है। हैरत की बात यह है कि धतूरे की तरह ही पीला कनेर का फूल भी मैक्सिको से पुर्तगालियों द्वारा पंद्रहवीं सदी में ही आया था (हालांकि सफेद कनेर भारत में पहले से होता था) और यह पीला कनेर भी शिव पूजन में अत्यधिक लोकप्रिय है। किसी जीव द्वारा या समुद्र में बह कर आने के विषय पर शोध आवश्यक है। इसलिए मध्य काल के कवि बिहारीदास के शब्दों में

कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय,
वा खाए बौराय जग, इहि पाए बौराय।

इसी 'कनक' (धतूरे) की मादकता का भारत में विशेष धार्मिक व सांस्कृतिक प्रभाव आज भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

(लेखक अक्षर सचिव, लोक अस्त्र, गुरापुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सीमा विवाद ओमकार चौधरी

भारत–चीन सीमा विवाद अब केवल जमीन और सीमा रेखा का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह नक्शों, नामों और ऐतिहासिक दावों की लड़ाई में बदल चुका है। चीन अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रा के नाम बदलकर अपने नक्शों में शामिल और दर्रा के नाम बदलकर उन्हें अपने नक्शों में शामिल करता रहा है। वहीं, भारत ने हर बार चीन के इन प्रयासों को खारिज किया है। अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 महत्वपूर्ण स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानक नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल किए हैं। यह कदम केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि चीन की नामकरण रणनीति का संस्थागत जवाब है। संदेश स्पष्ट है:– अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा।

माता-पिता के अपमान को भगवान भी माफ नहीं करते

चाणक्य ने अपनी नीतियों में एक ऐसे काम का जिक्र किया है जिसे महापाप की श्रेष्ठ में रखा गया है और इस कार्य को करने वालों को भगवान कभी भी माफ नहीं करते हैं। चाणक्य नीति अनुसार व्यक्ति के शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं शब्द ही ऐसी चीज है जो बिना हथियार के ही दूसरों को धायाल कर सकते है। इसलिए चाणक्य कहते हैं जो लोग ईश्वर स्वरूप माता पिता को अपशब्द बोलकर उनका अपमान करते हैं ऐसे लोगों को भगवान कभी माफ नहीं करते है यह ऐसी गलती है जो महापाप की श्रेष्ठी में आती है। माता पिता को अपशब्द कहने वाले लोगों को हर ओर से कष्ट उठाना पड़ता है ऐसे लोगों को माता पिता भले ही माफ कर दें लेकिन ईश्वर इन्हें कभी माफ नहीं करता है। माता पिता को अपशब्द कहना ही जीवन में सबसे बड़ा महापाप है। चाणक्य की मानें तो जो लोग माता पिता का दुख तोड़ते हैं उन्हें भला बुधा कहते हैं ऐसे लोगों को ईश्वर कभी क्षमा नहीं करता है बल्कि इन्हें कष्ट उठाना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि माता पिता को हमेशा खुश रखना चाहिए। ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे उनके दिल को ठेस पहुंचे। इस संसार में माता-पिता का ऋण कोई भी नहीं चुका सकता।



करंट अफेयर

प्लास्टिक को भी चट कर जाएगा पाक में मिला फंगस

दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे की बढ़ती समस्या के बीच पाकिस्तान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। राजधानी इस्लामाबाद के एक नगरपालिका कचरा निपटान स्थल की मिट्टी से अलग किए गए एक अनोखे फंगस एस्पेरगिलस ट्यूबिगेसिस ने पॉलिएस्टर पॉलीयुरेथेन नामक अत्यंत टिकाऊ प्लास्टिक को तोड़ने की क्षमता दिखाई है। यह प्लास्टिक सिंथेटिक लेदर, कोटिंग्स, कुशन, इन्सुलेशन सामग्री और कई औद्योगिक उत्पादों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है और आम वातावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता। शोधकर्ताओं ने लैब में कल्चर और मिट्टी में दफनाने के विस्तृत प्रयोगों के जरिए इस फंगस की क्षमता का गहन परीक्षण किया। अध्ययन में इसे एस्पेरगिलस ट्यूबिगेसिस की पॉलीयुरेथेन को खारब करने की क्षमता का पहला रिपोर्टेड मामला बताया गया था। हालांकि वैज्ञानिकों ने साफ चेतावनी दी है कि इन नतीजों को अतिरिक्त नहीं समझना चाहिए। प्रयोग पूरी तरह नियंत्रित लैब परिस्थितियों में किए गए थे। इसका मतलब यह कतई नहीं है कि फेंका गया पॉलीयुरेथेन गद्दा, जूता या कोई अन्य उत्पाद दो महीने पर्यावरण में रहने के बाद गायब हो जाएगा।



चीन को भारत का करारा जवाब

भारत-चीन सीमा विवाद दशकों पुराना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसने एक नया आयाम ले लिया है। मानचित्रों और नामों की लड़ाई। चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रा के नाम बदलकर अपने नक्शों में शामिल करता रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपने दावे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जा सके। भारत ने हर बार इसे सिरे से नकारा है और अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के 27 स्थानों के नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल कर एक ठोस और संस्थागत जवाब दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद की जड़ें अंग्रेजों के जमाने में जाती हैं। सन 1914 में शिमला सम्मेलन में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों के बीच एक सीमा रेखा तय की गई थी, जिसे मैकमोहन रेखा कहा जाता है। यह रेखा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र और तिब्बत के बीच की सीमा को परिभाषित करती है। भारत इस रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा मानता है, जबकि चीन इसे कभी मान्यता नहीं देता। उसका तर्क है कि तिब्बत के पास उस समय स्वतंत्र रूप से समझौते करने का अधिकार नहीं था।

इसी अरहमति के चलते 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ, जिसमें चीनी सेना ने अरुणाचल प्रदेश (तब नेफा यानी नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी) के कई हिस्सों में घुसपैठ की। थाग ला दर्रा इस युद्ध के शुरुआती संघर्ष स्थलों में से एक था, जबकि लोंग जू क्षेत्र में 1959 में ही, यानी युद्ध से तीन साल पहले, चीनी सैनिकों और भारतीय सुरक्षा बलों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी। युद्ध के बाद चीन ने कुछ इलाकों से पीछे हटने की घोषणा तो की, लेकिन सीमा विवाद कभी सुलझा नहीं। 1972 में नेफा को केंद्र शासित प्रदेश और फिर 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा देकर अरुणाचल प्रदेश बनाया गया, जो आज भारत के पूर्वोत्तर का एक अभिन्न राज्य है। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपनी भाषा में 'जांगनान' यानी 'दक्षिण तिब्बत' कहता है और इसे तिब्बत का हिस्सा मानते हुए अपना दावा जताता है। चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताकर अपना दावा साबित करने की कोशिश करता रहा है, जिसे भारत दृढ़ता से खारिज करता रहा है। यही सोच नामकरण की रणनीति के पीछे भी काम करती है। जगहों को चीनी या तिब्बती नाम देकर यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि इन क्षेत्रों पर चीन का प्रभाव रहा है। चीन ने पहली बार 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नाम बदले थे, और इसे तब दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा के विरोध के तौर पर देखा गया था। इसके बाद यह सिलसिला थमा नहीं। 2021 में चीन ने 15 स्थानों की एक और सूची जारी

की, और 2023 में 11 और स्थानों के नाम बदले गए। इन नामकरणों में गांव, नदियां, पहाड़ और यहां तक कि आवासीय क्षेत्र तक शामिल किए गए हैं। हर बार जब यह सूचियां सामने आईं, भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ा एतराज जताया। इस साल भी जब चीन ने एक बार फिर कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की, तो भारत ने तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने इसे एक शरारतपूर्ण प्रयास करार दिया और दोहराया कि इस तरह की कार्रवाइयों न तो जमीनी हकीकत बदल सकती हैं, न ही भारत की संप्रभुता पर कोई असर डाल सकती हैं। विश्लेषक इस पूरी प्रक्रिया को मानचित्रण संबंधी आक्रामकता यानी कार्टोग्राफिक



अग्रेषण कहते हैं। यह कोई नई रणनीति नहीं है। चीन 2017 से समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के लिए मानकीकृत नामों की सूचियां जारी करता रहा है। इसका मकसद सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि दस्तावेजों और मानचित्रों के जरिए धीरे-धीरे यह स्थापित करना है कि इन क्षेत्रों पर चीन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अधिकार रहा है। इसी पृष्ठभूमि में भारत का हाल का कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं के मानक नामों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र में औपचारिक रूप से शामिल किया है। इस सूची में शामिल स्थानों में सामरिक और ऐतिहासिक महत्व साफ झलकता है।

लोंग जू : यह वही क्षेत्र है जहां 1959 में भारत-चीन सैनिकों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी, और जो आज भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसई) के करीब स्थित है। थाग ला दर्रा :1962 के युद्ध के शुरुआती संघर्षों का गवाह व सामरिक रूप से बेहद ऊंचाई पर स्थित महत्वपूर्ण दर्रा। **जयरामपुर** : चांगलांग जिले में स्थित यह रसद केंद्र पूर्वी सीमा क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है और म्यांमा सीमा

की ओर सुरक्षा बलों की आवाजाही में अहम भूमिका निभाता है।

जसवंतगढ़ : तवांग रोड पर स्थित यह स्थान भारतीय शहीद जसवंत सिंह रावत के स्मारक के लिए जाना जाता है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में वीरता दिखाई थी।

शेर-ए-थापा स्मारक : 1962 के युद्ध के नायक त्रिलोक सिंह थापा की स्मृति में बनाया गया यह स्मारक भी इस सूची का हिस्सा है। इनके अलावा शंभू सोरोवर, बड़ा और छोटा कुंडुन, धन बाड़ी, प्रीतनगर, तैरितनगर, रामनगर, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा और बड़ा रोपुक, शिवाजी नगर, सुनुपुरा, कमलांग नगर और बुद्ध मंदिर जैसे स्थान भी इस सूची में शामिल हैं। यह चुनाव आकस्मिक नहीं लगता। इनमें से अधिकांश स्थान सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में हैं या 1959-1962 के संघर्षों से सीधा ऐतिहासिक संबंध रखते हैं। भारत का यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है।

कानूनी व प्रशासनिक स्पष्टता : आधिकारिक मानचित्र में स्थानों को औपचारिक रूप से शामिल करने से सटीक भौगोलिक पहचान सुनिश्चित होती है, जिससे प्रशासनिक कामकाज व सुरक्षा तैनाती में स्पष्टता आती है।

कूटनीतिक जवाब : यह चीन की नामकरण रणनीति के जवाब में भारत का दस्तावेजी आधार तैयार करने जैसा है, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष उतनी ही मजबूत से उठे, जितनी मजबूती से चीन दावा करता है। **जन-जागरूकता** : इन स्थानों को आधिकारिक तौर पर चिह्नित करने से आम नागरिकों में इनकी अहमियत व भारत की संप्रभुता के प्रति जागरूकता बढ़ती है, खासकर उन स्थानों के मामले में जो 1962 और 1959 के संघर्षों से जुड़े हैं और शहीदों की स्मृति को संजोएं हैं। **ऐतिहासिक स्मृति को संरक्षित करना**: जसवंतगढ़ और शेर-ए-थापा स्मारक जैसे स्थानों को शामिल करना यह सुनिश्चित करता है कि 1962 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरता की कहानियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचें। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भारत-चीन विवाद केवल सीमा रेखा का मसला नहीं रह गया है। यह अब मानचित्रों, नामों और दस्तावेजों की एक लंबी लड़ाई बन चुका है। चीन जहां बार-बार नामकरण के जरिए अपने दावे को स्थापित करने की कोशिश करता रहा है, वहीं भारत ने भी अब यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मोर्चे पर पीछे नहीं हटेगा। 27 स्थानों का यह औपचारिक नामकरण केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक ठोस संदेश है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा पहले भी था, आज भी है, और भविष्य में भी रहेगा।

(लेखक बरिष्ट फत्तकर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

गुरु के बिना जीवन में प्रगति संभव नहीं

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। ठीक उसी प्रकार गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्व कितना अधिक होगा। गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सांदिपान का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि विश्वामित्र से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढ़ना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परंपरा को अपने साथ लेकर चलना होगा।



संसद चले

अगर कैदीय गृह तंत्री जंतर-मंतर पर हुई घटना या वहां हुए विरोध-प्रदर्शन से निगलने के दौरान हुई घटनाओं के बारे में संसद ने सवालों का जवाब देते है और इससे संसद का कामकाज फिर से शुरू हो जाता है, तो यह अच्छी बात है। लोग चाहते है कि संसद चले। संसद चलाने में बहुत पैसा खर्च होता है। -उमर अब्दुल्ला, सीएम, जम्मू-कश्मीर

वीबी-जी रामजी में सुधार करें

एक जुलाई से मंगरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह ले चुकी वीबी-जी रामजी योजना अपने पहले ही महीने में बुरी तरह फेल साबित हुई है। ठेक सरकार योजना की खामियों को दूर करे व लोगों को राहत दे। -अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

646 दिन बाद सरफराज की टेस्ट टीम में वापसी, कश्मीर में घटाया 17 किलो वजन

एजेसी ►► नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम में वापसी करने से कुछ दिन पहले सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर लिखा था 'हो सकता है मैं टीम में फिट न बैठूँ, लेकिन मैं अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।' इससे उनके दृढ़ संकल्प का पता चलता है लेकिन वह तब की परिस्थितियों से भी अच्छी तरह अवगत थे।

अब किस्मत ने पलटी खाई और वह फिर से भारतीय टीम का हिस्सा बन गए, जो एक तरह से उनके दृढ़ संकल्प की भी जीत है। साई सुदर्शन के चोटिल होने से सरफराज को भारतीय टीम में जगह बनाने का वह मौका मिल गया, जिसका वे पिछले दो वर्षों से इंतजार कर रहे थे। उन्हें 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। सरफराज ने टीम में शामिल होने के लिए 17 किलो वजन भी घटाया।

रणजी ट्रॉफी में लगाया था तिहरा शतक

गुंबई के रहने वाले इस खिलाड़ी के लिए यह वापसी इससे बेहतर समय पर नहीं हो सकती थी, क्योंकि उन्होंने फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किए थे, जिसमें पिछले डेढ़ साल में 17 किलो वजन कम करना भी शामिल था। रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक बनाने के बावजूद सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक भारी भरकम शरीर वाला खिलाड़ी माना जाता था लेकिन अब वह अधिक नुस्त-दुरुस्त दिखते हैं, जिसने निश्चित रूप से उनके टी20 खेल में सुधार हुआ है।



15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल

शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में किया अभ्यास

गुंबई में बेमौसमी की बारिश के कारण अभ्यास करना संभव नहीं था और इसलिए सरफराज कश्मीर चले गए, जहां उन्होंने अपने कौशल को निखारने के लिए शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में घंटों बिताए। इसलिए उनकी वापसी काफी मारने रखती है, क्योंकि 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार बार नाकाम रहने के बाद टीम से बाहर किए जाने की पटा पाना मुश्किल था। यह एक ऐसी श्रृंखला थी, जिसमें सभी खिलाड़ी असफल रहे लेकिन आखिर में गाज सिर्फ इस 28 वर्षीय खिलाड़ी पर ही गिरी। इसके बाद वे इंग्लैंड गए जहां उन्होंने बेकनहैम में एक 'इट्र-स्क्वाड' मैच (भारत बनाम भारत ए) में शतक बनाने के अलावा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की तरफ से 92 रन बनाए। लेकिन राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी दूर की कोई बनी रही जब तक कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का अपने घरेलू मैदानों पर लचर प्रदर्शन के कारण खतरे की घंटी नहीं बजी।

स्पिन गेंदबाजी खेलने में माहिर सरफराज

सूखों की मानें तो टीम प्रबंधन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ युवाहाटी में दूसरे टेस्ट से पहले सरफराज के बारे में पूछताछ की थी, लेकिन चयन समिति उन्हें वापस टीम में लेने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब सुदर्शन के दाहिने पैर के अंगुठे में लगी चोट के समय पर ठीक नहीं होने के कारण चयन समिति के पास उनकी जगह भरने के लिए तीन विकल्प थे। रतुराज गायकवाड़, शेख रशीद और सरफराज, जो मौजूदा टीम में कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत के अलावा शायद रिचन गेंदबाजी को खेलने में सबसे माहिर खिलाड़ी है। ध्रुव जुरेल कुछ समय से स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए यह निश्चित नहीं कहा जा सकता कि उत्तर प्रदेश का यह खिलाड़ी 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे।

खबर संक्षेप



ई-स्पोर्ट विश्व कप : ग्रांड फाइनल में भारत की दो टीमों पेरिस। 'ओरेंगुटान' और 'गॉडलाइक ई-स्पोर्ट' ने यहां जारी ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 में 'पबजी मोबाइल विश्व कप (पीएमडब्ल्यूसी)' के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय टीम बनने का गौरव हासिल किया है। पीएमडब्ल्यूसी ग्रुप चरण में ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पांच में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 32 टीमों को 16-16 के दो ग्रुप में बांटा गया था और प्रत्येक टीम ने 12 मुकाबले खेले। ओरंगुटान ने ग्रुप-ए में 91 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली 'फोर श्रावड' से 16 अंक पीछे रही। वहीं, गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने ग्रुप-बी में 105 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीजीए सीनियर्स: जीव ने किया सातवां स्थान हासिल



एबरडीन। दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेलकर 2026 स्टेस्योर पीजीए सीनियर्स चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल किया। जीव (54 वर्ष) ने पिछले सत्र में आईजीपीएल कोलंबो में खिताब जीता था। उन्होंने 76, 71, 69 और 70 के कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर दो अंडर रहा। दक्षिण अफ्रीका के डैरेन फिचार्ड ने एबरडीन के ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंकस में पांच शांटे के अंतर से 2026 पीजीए सीनियर्स का खिताब जीता। एक अन्य भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा 74 और 79 के कार्ड खेलने के कारण कट हासिल करने से चूक गए थे। जीव कई सर्किट में खेल रहे हैं, जिनमें भारत में आईजीपीएल, एशियाई टूर, यूरोपीय सीनियर और जापान सीनियर टूर शामिल हैं। अंतिम दौर में तेज हवाओं के बीच जीव ने फ्रंट नाइन के शुरुआती पांच होल में से दो बोगी लगाई।

लंदन चैंपियनशिप : शीर्ष 20 में प्रणवी और अदिति



लंदन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने पीएनएफ लंदन चैंपियनशिप के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 66 का कार्ड खेला और संयुक्त 19वें स्थान पर रही जबकि अदिति अशोक ने अंतिम दौर में चार अंडर 69 का स्कोर कर संयुक्त 17वां स्थान हासिल किया। प्रणवी तीसरे दौर में निराशाजनक 78 का कार्ड खेलने के बाद अंतिम दौर की शुरुआत में शीर्ष 30 से बाहर थीं। उन्होंने सप्ताह का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12 स्थान की छलांग लगाई। प्रणवी ने 70, 73, 78 और 66 के दौर के साथ कुल 5-अंडर 287 का स्कोर बनाया।

भारतवंशियों की लंदन में धूम, 17 साल के श्रेयस रॉयल की ऐतिहासिक जीत

11 साल की बोधना ने रचा इतिहास, रोमांचक प्लेऑफ में जीता ब्रिटिश शतरंज का खिताब

एजेसी ►► लंदन

भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गईं।

मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से 'गोधना' कहकर उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया।

बोधना ने लॉकडाउन में शुरू किया था खेलना

'इंग्लिश चेस फेडरेशन' (ईसीएफ) के लिए कमेंट्री कर रहे वैंडमास्टर डैनी गोमाली ने कहा, 'अविश्वसनीय। बोधना जीत गई है। वह कमाल की खिलाड़ी है, एक ऐसी प्रतिभा जो पौढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है।' बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे, जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, 'मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया।'



बोधना ने पूरी की शानदार हैट्रिक

इसके बाद से उत्तर-पश्चिम लंदन की इस स्कूली छात्रा ने लगातार कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और सबसे कम उम्र की सफल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई है। शतरंज के तेज प्रारूपों में वह पहले ही 'यूके ओपन महिला ब्लिट्ज' चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। अब क्लासिकल प्रारूप की इस जीत के साथ 11 वर्षीय बोधना ने शानदार हैट्रिक पूरी कर ली है। इस चैंपियनशिप में उनकी एकमात्र हार छोटे दौर में श्रेयस रॉयल के खिलाफ हुई।

श्रेयस ने 9 दौर के बाद हासिल किया शीर्ष स्थान

वहीं श्रेयस रॉयल ने 9 दौर के बाद तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर कुल अंक से ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी वैंडमास्टर को आधे अंक से पीछे छोड़ दिया। अपने पहले ब्रिटिश खिताब के साथ उन्होंने विश्व स्तरीय उमरती हुई शतरंज प्रतिभा के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। दक्षिण-पूर्व लंदन के इस किशोर खिलाड़ी ने आगे चलकर ब्रिटेन के प्रमुख युवा शतरंज खिलाड़ियों में अपना स्थान बनाया। इस वर्ष की चैंपियनशिप में उन्होंने शुरुआत से ही साबित कर दिया कि वह स्थापित दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार बन गए।



सिनसिनाटी ओपन चोट के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे नंबर-1 सिनर

एजेसी ►► नई दिल्ली

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नार्थ अमेरिका का उनका दूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप हुई कमजोर

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कोलॉस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे। इसके अलावा, उनका यह फेब्रुआरी का हिस्सा है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रेड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।



नैं अमी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं : सिनर

सिनर ने कहा, अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मार्चर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और गले ही मेरी मोडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना होगा कि मैं अमी खेलने के लिए तैयार नहीं हूँ। सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अमी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूँ। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ और अब मेरे ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।

विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत को 3 पदक, पूजा सिंह ने किया निराश

एजेसी ►► न्यूजीन

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ऊंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। 19 वर्षीय पूजा केवल 1.84 मीटर की ऊंचाई ही पार कर सकीं, जो उनके सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.93 मीटर से काफी कम है।

वह तीन प्रयासों में 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने में नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया की इजोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हंगरी की लिलियाना बटेरी (1.90 मीटर) और स्पेन की ऐताना अल्लोसो (1.90 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।



रिले टीम रही अंतिम स्थान पर

पूजा ने मई में 1.93 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में नौवें और अंतिम स्थान पर रही। उसने तीन मिनट 45.28 सेकंड का समय लिया।

विश्व चैंपियनशिप : शी से तीन बार हार चुके हैं 21 वर्षीय शेड्डी युकी से मिड़ेंगे आयुष, आक्रामक खेल से उलटफेर की तैयारी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत के युवा शटलर आयुष शेड्डी ने कहा कि वह अधिक आक्रामक खिलाड़ी बनने की कोशिशों में लगे हैं और उन्हें विश्वास है कि विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में चीन के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ उनकी यह रणनीति कारगर साबित होगी।

विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे आयुष ने कहा कि वह 17 अगस्त से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में किसी बड़े खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे क्योंकि उन्हें वरीयता नहीं मिली है।



आयुष को नहीं मिली वरीयता

आयुष ने कहा, 'मैं ड्रॉ लाइव देख रहा था। जैसे ही मुझे शी के साथ ड्रॉ का पता चला, मैं तैयार हो गया। मुझे वरीयता नहीं मिली है और इसलिए मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार था। विश्व शैकिंग में 23वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी आयुष अभी तक शी से तीन बार हार चुके हैं, जिसमें एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप (एबीसी) का फाइनल भी शामिल है, लेकिन उनका मानना है कि इससे उन्हें काफी सीख मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं उससे तीन बार हारा हूँ। मुझे काफी कुछ सीखने को मिला, खासकर एबीसी फाइनल में। वह रणनीतिक मामलों में मुझसे बेहतर था लेकिन हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मैं पहले से ज्यादा मजबूत महसूस कर रहा हूँ।'

इंडोनेशिया के कोच प्रतामा से ट्रेनिंग ले रहे आयुष

आयुष ने कहा, वह निश्चित रूप से कड़ा प्रतिद्वंद्वी है। मुझे एबीसी फाइनल याद है, वह पूरी तैयारी के साथ आया था। मैंने अपने खेल में सुधार किया है। मैं उस मैच के विश्लेषण कर रहा हूँ और मानसिक पहलू पर भी ध्यान दे रहा हूँ। उसके खिलाफ आपको वाकई कड़ी मेहनत करनी होगी। आयुष इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। वह पीवी सिधु के भी कोच हैं। उन्होंने कहा, 'हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। मैं फुर्तीला, तेज और आक्रामक बनने की कोशिश कर रहा हूँ।' यह युवा खिलाड़ी सिधु के साथ अभ्यास भी कर रहा है, जिससे उन्हें अपने आक्रामक खेल को निखारने में मदद मिली है।

तलवारबाजी चैंपियनशिप : भारत का दबदबा, अंडर-23 में जीते 17 पदक



नई दिल्ली। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए नाइजीरिया के लागोस में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदकों सहित 17 पदक जीते। रविवार से शुरू हुई और 14 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय टीम ने चार स्वर्ण, चार रजत और नौ कांस्य पदक जीते। भारतीय तलवारबाजी संघ के अनुसार भारत ने सेबर, फॉइल और इपी श्रृंणियों की सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कम से कम एक पदक जरूर जीता। पुरुषों के सेबर में निखिल वाघ ने स्वर्ण पदक जीता। लक्ष्म

बदसर ने रजत पदक हासिल किया, जबकि अश्विनी आर्य और लैशमन मोरखा ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फॉइल स्पर्धा में तेजस पाटिल ने रजत पदक और हेमश सनझम ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की इपी स्पर्धा में लोकेश वेमानी ने रजत पदक हासिल किया, जबकि शैवं अश्विनी और गॉडविन अन्वकेस ने कांस्य पदक जीते। जोइस आशिता ने महिला फॉइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनानलक्ष्मी ने रजत पदक हासिल किया। महिला इपी स्पर्धा में प्रावी लोहन ने स्वर्ण पदक जबकि निवेद्या नायर और अनुप्रिया ने कांस्य पदक जीते।



Dr. Ortho
An Ayurvedic Medicine

डा. ऑर्थो
आयुर्वेदिक तेल

Dr. Ortho
100% Ayurvedic Capsules

Dr. Ortho
100% Ayurvedic Spray

Dr. Juneja's
डा. ऑर्थो
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.



अब दर्द भी घुटने टेकेगा...

घुटने दर्द, कंधे दर्द, गर्दन दर्द, कमर दर्द एवं कलाई दर्द में सहायक आयुर्वेदिक औषधि

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

असम-अरुणाचल सीमा पर अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग, 8 घायल, 7 गंभीर

एजेंसी ►► गुवाहटी

असम-अरुणाचल सीमा पर स्थित धेमाजी जिले के मिंगमांग बदती इंटर-स्टेट बॉर्डर पर अरुणाचल प्रदेश के अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में 8 असमी गांव वाले घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर है। इस घटनाक्रम से दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई। उन्होंने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम में जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद का नतीजा था। बाद में यह टकराव बढ़कर फायरिंग में बदल गया। अधिकारी

ने बताया कि बॉर्डर पार से आए बदमाशों ने असम के लोगों को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों की पहचान दुर्गेश्वर पातिर, रोहित डोले, नागराज डोले, बिगेश्वर पातिर, पामे पेंगु, संजय तयुंग, उत्पल डोले और जान डोले के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को गोणामुख रूरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, और बाद में उनमें से सात को गंभीर हालत में धेमाजी सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव बातचीत कर रहे हैं और पुलिस महानिदेशक भी तनाव कम करने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम पुलिस की मदद मौके पर पहुंच गई है। हमें स्थिति को शांत करने की जरूरत है।

घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई

सीएम सरमा : असम एक इंच भी जमीन नहीं देगा ,पहले मामला शांत करना जरूरी

बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ विवाद

दोनों राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम अतिक्रमण और पुराने विवाद को लेकर हुआ

सीमा विवाद बना टकराव की वजह



फायरिंग के बाद भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया

यह नया टकराव असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच दशकों से चली आ रही सीमा की असहमति के बैकग्राउंड में हुआ है। दोनों राज्य बातचीत और सीमांकन के जरिए विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं, लेकिन बॉर्डर के कई इलाके अभी भी सेंसिटिव बने हुए हैं। इस घटना के बाद बॉर्डर एरिया में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है।

बॉर्डर पार कर भारत आए 20 बांग्लादेशी चाय बागान से किडनैप कर ले गए किसान

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक भारतीय चाय किसान के अपहरण से हड़कंप मच गया है। घटना राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके की बताई जा रही है। पीड़ित की पहचान 35 वर्षीय दीपांकर गोप के रूप में हुई है, जो चोलहाटी सीमा गांव के तसर पाड़ा का रहने वाला है। दरअसल, परिवार का आरोप है कि दीपांकर को बांग्लादेशी बदमाशों ने बदले की

कार्रवाई के तहत अगवा किया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले चोलहाटी सीमा पर एक बांग्लादेशी नागरिक ने तारबंदी काटकर भारत में घुसने की कोशिश की थी। स्थानीय ग्रामीणों और बीएसएफ जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। स्थानीय लोगों को आशंका है कि पकड़ा गया व्यक्ति किसी सक्रिय सीमा पार तस्करी गिरोह से जुड़ा हो सकता है।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के बीच हुई घटना

स्लोवेनिया में भारतीय दूतावास पर हमले से भड़का भारत, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

एजेंसी ►► नई दिल्ली

स्लोवेनिया की राजधानी ल्युब्ल्याना स्थित भारतीय दूतावास परिसर को भारत विरोधी तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। भारत सरकार ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने स्पष्ट कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत किसी भी देश के राजनयिक परिसर की सुरक्षा और उसकी पवित्रता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने इस मामले को नई दिल्ली और ल्युब्ल्याना, दोनों स्तरों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखा है। एमईए ने जोर देकर कहा कि इस तरह की निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों से ऐसे समूहों द्वारा फैलाई जा रही घृणा और दुष्प्रचार का संज्ञान लेने का आग्रह किया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब भारत और स्लोवेनिया अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। पिछले महीने भारतीय राजदूत अमित नारंग ने स्लोवेनिया के विदेश एवं यूरोपीय मामलों के मंत्री टोने काजर से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। भारतीय दूतावास ने बताया कि राजदूत ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का पत्र सौंपा और बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।

कानून के तहत राजनयिक भारत और स्लोवेनिया के बीच को मिलनी चाहिए सुरक्षा राजनयिक संबंध 1992 से स्थापित

नफरत फैलाने वाले प्रचार से रहें सतर्क



मंत्रालय ने दूसरे देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से भी सतर्क रहने को कहा क्योंकि ऐसे समूहों द्वारा नफरत फैलाने वाला प्रचार और गलत जानकारी फैलाई जा रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अन्य जगहों पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों से भी अपील करते हैं कि वे ऐसे समूहों द्वारा फैलाए जा रहे नफरत भरे प्रचार और गलत जानकारी पर ध्यान दें।

1992 से हैं राजनयिक संबंध

बीते माह स्लोवेनिया के विदेश मंत्री से मिले थे नारंग

आपको बता दें कि भारत और स्लोवेनिया इन दिनों अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसी दिशा में स्लोवेनिया में भारत के राजदूत अमित नारंग ने राजनयिक और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए स्लोवेनिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री टोन काझजर से मुलाकात की थी।

पीएम रहमान के भारत आने पर संशय

कूटनीतिक संबंध:भारत की नेपाल के पीएम और बांग्लादेश के साथ हुई बैठक



नेपाल के प्रधानमंत्री शाह से मिले भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव



बांग्लादेश में प्रधानमंत्री रहमान से मुलाकात करते हुए दिनेश त्रिवेदी

नई दिल्ली। भारत अब वेस्ट एशिया में अपने पड़ोशियों के साथ कूटनीति के नियम नए सिरे से लिखने लगा है। एक तरफ भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को काठमांडू में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से मुलाकात की। दूसरी तरफ बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। पद संभालने के बाद बालेन शाह ने पहली बार किसी विदेशी राजनयिक से वन-ऑन-वन मुलाकात की। शेख हसीना को लेकर बांग्लादेश की तल्खी और नेपाल में चीनी प्रभाव के बीच भारत से राजनयिक ये मुलाकात कर रहे हैं। नेपाल के पीएम के साथ बैठक में दोनों देशों के संबंधों के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा हुई।

भारत ने बोलीविया मेजी 8 टन दवाइयां



नई दिल्ली। भारत ने ग्लोबल साउथ के अपने साझेदार देश बोलीविया को 8 मीट्रिक टन जरूरी और जीवनरक्षक दवाइयों की मदद भेजी है। इस मानवीय सहायता का उद्देश्य बोलीविया की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती देना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत हमेशा एकजुटता और साझा प्रगति के लिए सहयोग करने हेतु तत्पर है। यह कदम आपसी सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सौरव गांगुली और पत्नी डोना को जान से मारने की धमकी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और वीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली को जान से मारने की धमकी मिली है। कुरियर से भेजे गए धमकी भरे पत्र में सौरव समेत उनकी पत्नी डोना गांगुली और उनके स्टाफ को जान से मारने की बात कही गई। गांगुली परिवार ने कोलकाता के ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार सोमवार को बंगाल क्रिकेट संघ के दफ्तर में एक कुरियर पैकेट पहुंचा। इसमें अंग्रेजी में लिखे दो लेटर मिले। इनमें बेहद आक्रामक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया था। गांगुली परिवार को इस तरह के पत्र पिछले 6 महीने से लगातार मिल रहे थे। शुरुआती दिनों में परिवार ने इन्हें किसी सिरफिरे फैन या निजी नाराजगी जताने वाले व्यक्ति की हरकत समझकर नजर अंदाज कर दिया था।

कुल 30 लाख एनजीओ में से सिर्फ 14,450 पंजीकृत

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत ने प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को लेकर उठ रही आशंकाओं को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि इसका मकसद विदेशी चंदे पर रोक लगाना नहीं, बल्कि वित्तीय प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने 'मित्थक

एफसीआरए 2026 : विदेशी फंडिंग पर सख्ती या सिर्फ पारदर्शिता ?



विनय मोहन क्वात्रा

बनाम हकीकत' के जरिए स्पष्ट किया कि कानून का पालन करने वाली संस्थाओं को डरने की जरूरत नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक,

पंजीकृत संस्थाओं को मिलने वाला विदेशी चंदा 2010-11 के 1.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 2.67 अरब डॉलर हो चुका है। देश के 30 लाख से अधिक एनजीओ में से केवल 14,450 ही एफसीआरए में पंजीकृत हैं। यह नया संशोधन किसी विशेष धर्म या समुदाय को निशाना नहीं बनाता, बल्कि सभी पर समान रूप से लागू होता है।

ड्रग्स-हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़

7 तस्करो को किया गिरफ्तार, 10 पिस्तौल 1.054 किलो हेरोइन व ड्रोन भी बरामद

एजेंसी ►► अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से नशे और अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 अवैध पिस्तौल, 1 किलो 54 ग्राम हेरोइन, 5 जिंदा कारतूस और एक ड्रोन बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के तार पाकिस्तान में बैठे नशा तस्करों और विदेशों में बैठे गैंगस्टरों से जुड़े हुए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस



कमिश्नर हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि पहले मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से 1 किलो 54 ग्राम हेरोइन, कारतूस और ड्रोन बरामद हुआ। वहीं, दूसरे मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 10 अवैध पिस्तौल बरामद हुई हैं।

लंबी दूरी के ड्रोन के जरिए हमलों को अंजाम दे रहा यूक्रेन रूस के निजनेकाम्स्क शहर में ड्रोन हमला, 13 लोगों की मौत

एजेंसी ►► कीव

रूस और यूक्रेन के बीच एक बार फिर से युद्ध में तेजी देखने को मिल रही है। रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन की ओर से सोमवार को भीषण हमले किए गए। रूस के निजनेकाम्स्क शहर में यूक्रेन की ओर से सोमवार को किए गए ड्रोन हमले में 13 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। तानास्तान क्षेत्र के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन ने हाल के महीनों में लगभग रोज ही लंबी दूरी के ड्रोन के



जरिये रूस के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से रूस में ईंधन की कमी की स्थिति पैदा हुई है, तेल शोधन क्षमता प्रभावित हुई है और आम जनता में चिंता बढ़ी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की का कहना है कि यह अभियान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत

तेल शोधन केंद्र को बनाया ड्रोन से निशाना

हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने किस चीज को निशाना बनाया, लेकिन यह शहर रूस का एक अहम तेल शोधन केंद्र है, जहां दो बड़ी रिफाइनरी और एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र मौजूद हैं।

की मेज पर आने और चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।